अध्याय-वार प्रश्न बैंक

विषय- हिंदी 'अ' विषय कोड-002

कक्षा - 10

नोट: प्रत्येक प्रश्न के साथ उत्तर निर्माण हेतु सांकेतिक मूल्य बिंदु प्रदान किए गए हैं।

क्रम संख्या	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
(2024-25)		
1	**पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग 2 (काव्य-खंड)** • पद (सूरदास) • राम लक्ष्मण परशुराम संवाद (तुलसीदास) • आत्मकथ्य (जयशंकर प्रसाद) • उत्साह (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला') • अट नहीं रही है (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला') • यह दंतुरित मुसकान (नागार्जुन) • फसल (नागार्जुन) • संगतकार (मंगलेश डबराल)	**3-16**
2	**पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग 2 (गद्य-खंड)** • नेताजी का चश्मा (स्वयं प्रकाश) • बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी) • लखनवी अंदाज़ (यशपाल) • एक कहानी यह भी (मन्नू भंडारी) • नौबतखाने में इबादत (यतीन्द्र मिश्र) • संस्कृति (भदंत आनंद कौसल्यायन)	**17-29**
3	**पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग 2** • माता का अँचल (शिवपूजन सहाय) • साना-साना हाथ जोड़ि... (मधु कांकरिया) • मैं क्यों लिखता हूँ? (अज्ञेय)	**30-47**

(2023-24)		
4	**पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग 2 (काव्य-खंड)** • पद (सूरदास) • राम लक्ष्मण परशुराम संवाद (तुलसीदास) • आत्मकथ्य (जयशंकर प्रसाद) • उत्साह (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला') • अट नहीं रही है (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला') • यह दंतुरित मुसकान (नागार्जुन) • फसल (नागार्जुन) • संगतकार (मंगलेश डबराल)	**48-60**
5	**पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग 2 (गद्य-खंड)** • नेताजी का चश्मा (स्वयं प्रकाश) • बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी) • लखनवी अंदाज़ (यशपाल) • एक कहानी यह भी (मन्नू भंडारी) • नौबतखाने में इबादत (यतीन्द्र मिश्र) • संस्कृति (भदंत आनंद कौसल्यायन)	**61-73**
6	**पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग 2** • माता का अँचल (शिवपूजन सहाय) • साना-साना हाथ जोड़ि... (मधु कांकरिया) • मैं क्यों लिखता हूँ? (अज्ञेय)	**74-84**

पाठ-1 (काव्य खंड)

पद (सूरदास)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा /पूरकपरीक्षा
1.	**गोपियों के जीवन पर कृष्ण का क्या प्रभाव दिखता है? 'सूर के पदों' के आधार पर दो बिंदुओं में अपनी बात लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कृष्ण के एकनिष्ठ प्रेम में डूबना • कृष्ण-प्रेम के अतिरिक्त कोई अन्य मार्ग स्वीकार्य न होना • कृष्ण के विरह में अत्यंत व्याकुल होना • अपने प्रेम और विरह को प्रकट करना	मुख्य परीक्षा
2	**सूरदास की गोपियों की वाक्-चातुर्य को किन्हीं दो उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • उद्धव को भाग्यवान कहकर वास्तव में उन्हें भाग्यहीन साबित करना • प्रकारांतर से योग को चकरी के समान अस्थिर चित्तवाले कृष्ण के लिए सही ठहराना • कृष्ण को राजनीतिज्ञ कहकर उनके छलपूर्ण व्यवहार की ओर संकेत करना	मुख्य परीक्षा
3.	**सूरदास ने गोपियों के माध्यम से निर्गुण भक्ति की अपेक्षा सगुण-साकार कृष्ण भक्ति की श्रेष्ठता स्थापित की है। दो उदाहरणों के साथ इस बात को सिद्ध कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • योग को कड़वी ककड़ी और बीमारी के समान बताना और कृष्ण के एकनिष्ठ प्रेम में ही आस्था व्यक्त करना • योग को नीरस लोगों की राह बताते हुए स्वयं को गुड़ के पीछे प्राण देने वाली चीटियों जैसी भोली और कृष्ण प्रेम को न छोड़ने वाली बताना • निर्गुण भक्ति को उन लोगों के लिए कहना जिनके मन अस्थिर हैं।	मुख्य परीक्षा
4.	**सूरदास के 'पद' के आधार पर लिखिए कि ऐसे कौन-से कारण हैं कि गोपियाँ यह कहने को विवश हो गई कि कृष्ण राजनीति के ज्ञाता हो गए हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • गोपियों के पास स्वयं न आकर उद्धव को भेजना • प्रेम के संदेश के स्थान पर योग का संदेश भेजना	पूरक परीक्षा

पाठ-2 (काव्य खंड)

राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद (तुलसीदास)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में राम की उपस्थिति शब्दों में कम परंतु प्रभाव में अधिक है, कैसे? दो बिंदुओं में उनके प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • राम का मृदु, शांत और शीतल व्यक्तित्व परशुराम के क्रोध को शांत करने वाला • साहस के साथ विनयशीलता का प्रभाव अधिक होना	मुख्य परीक्षा
2	**राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' प्रसंग के राम शांत, सौम्य एवं अत्यंत प्रभावशाली हैं। कैसे? कविता के प्रसंगों के आधार पर दो बिंदुओं में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • राम ने क्रोधी परशुराम से विनम्र भाव से कहा कि धनुष तोड़ने वाला उनका कोई दास • परशुराम एवं लक्ष्मण अतिशय वाक् पटु जबकि राम शांत और सौम्य	मुख्य परीक्षा
3.	**राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता में परशुराम जी सहस्रबाहु के प्रसंग द्वारा लक्ष्मण को क्या समझाना चाहते हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • लक्ष्मण को चेतावनी • वे साधारण मुनि नहीं, शस्त्र धारण करने वाले वीर • अत्यंत क्रोधी और दंड देने में सक्षम • वज्र के समान कठोर परशुधारी	मुख्य परीक्षा
4.	**'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' प्रसंग में परशुराम के प्रति लक्ष्मण के कहे गए वचनों को आप कहाँ तक उचित मानते हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • उचित: परशुराम के अत्यधिक क्रोधपूर्ण वचनों को सुनकर लक्ष्मण की स्वाभाविक प्रतिक्रिया • अनुचित: बड़ों/साधु-संतों से बहस करना मर्यादा के विपरीत	पूरक परीक्षा

पाठ-3 (काव्य खंड)

आत्मकथ्य (जयशंकर प्रसाद)

प्रश्न संख्या	**वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)**	**मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा**
1.	**'आत्मकथ्य' कविता में कवि न तो अपने जीवन के दुख और विफलताओं से दूसरों को परिचित कराना चाहता है और न ही अपनी सुखद स्मृतियों को किसी के साथ साझा करना चाहता है। कवि की इस सोच के पीछे क्या कारण हो सकते हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • जीवन के उतार-चढ़ाव और विफलताओं के बारे में अपने मित्रों या औरों को बताकर वह उनके उपहास का पात्र नहीं बनना चाहता • अतीत के घाव पुनः हरे हो जाने और उससे होने वाली पीड़ा से बचना • उसके जीवन की सुखद स्मृतियाँ नितांत निजी	मुख्य परीक्षा
2	**'आत्मकथ्य' का लेखक आत्मकथा नहीं लिखते हुए भी अपने जीवन की झलकियाँ हमारे सामने रख देता है। कविता के आधार पर किन्हीं दो का वर्णन कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • जीवन का सामान्य होना और कष्टों-दुखों से भरा होना • जीवन में निरंतर छल, व्यंग्य और उपहास सहना • कवि के सपनों का पूरा होने से पहले ही बिखर जाना • प्रिय व्यक्ति की स्मृति को जीवन का पाथेय बनाना	मुख्य परीक्षा
3.	**'आत्मकथ्य' कविता के कवि के जीवन का संबल क्या है? वह उसे सबसे बाँटना क्यों नहीं चाहता?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संबल: प्रेम के सुखद दिनों की स्मृतियाँ, • न बाँटने का कारण: जीवन की सुखद निजी स्मृतियों को सार्वजनिक न करने की इच्छा	मुख्य परीक्षा
4.	**कहते हैं खुशियाँ बाँटने से बढ़ती हैं परंतु 'आत्मकथ्य' में कवि अपने जीवन की सुखद स्मृतियों को भी सबके सामने क्यों प्रकट नहीं करना चाहता?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • जीवन की सुखद निजी स्मृतियों को सार्वजनिक न करने की इच्छा • सुखद स्मृतियाँ उसके संघर्षपूर्ण जीवन में अवलंब	मुख्य परीक्षा

5.	**"तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे यह गागर रीती।" कहकर कवि ने अपने जीवन के किस पहलू पर प्रकाश डाला है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • जीवन में अकेलेपन पर • जीवन में सुख के अभाव पर • विशेष उपलब्धियों के न होने पर • सपनों के अधूरे रह जाने पर	मुख्य परीक्षा
6.	**आत्मकथ्य' कविता से उद्धृत 'तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे यह गागर रीती' पंक्ति के संदर्भ में प्रसाद जी के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • विनम्रता • सादगी • सरलता • एकाकीपन • यथार्थ की स्वीकृति	पूरक परीक्षा

पाठ-4 (काव्य खंड)
उत्साह (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**'उत्साह' कविता का कवि परिवर्तन की कामना किन कारणों से कर रहा है? किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • शोषित पीड़ित जनता के कल्याण के लिए • नव-निर्माण के लिए	मुख्य परीक्षा
2	**'उत्साह' कविता का कवि बादलों के बहाने किस सामाजिक बदलाव की उम्मीद में है? उसमें बदलाव की इच्छा क्यों जगती है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • शोषित-पीड़ित वर्ग का उद्धार / नव-निर्माण; • समाज में कमजोर वर्गों की दयनीय और शोषित अवस्था देखकर	मुख्य परीक्षा
3.	**कवि निराला बादलों से किन-किन कारणों से गरजने बरसने का आग्रह कर रहे हैं? 'उत्साह' कविता के आधार पर कोई दो कारण अवश्य लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • सामाजिक परिवर्तन और बदलाव के लिए • शोषित पीड़ित जनता के कल्याण के लिए • नव-निर्माण के लिए • गर्मी से मुक्ति के लिए	मुख्य परीक्षा
4.	**"आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन" 'उत्साह' कविता से उधृत इस पंक्ति में बादलों को 'अनंत के घन' क्यों कहा गया है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • अनंत-ईश्वर, आकाश, अंतहीन। बादल ईश्वर की करुणा के प्रतिनिधि, उनके संदेशवाहक के रूप में। आकाश में ही आच्छादित और कभी न खत्म होने वाले अर्थात अंतहीन। • बरस कर प्यासी-सूखी धरा को जल-प्लावित, हरा-भरा, लोगों के जीवन में सुख-आनंद, सुख-समृद्धि का संचार करने वाले।	मुख्य परीक्षा
5	**उत्साह' कविता में बादलों को किन-किन रूपों में चित्रित किया गया है? अपने शब्दों में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु-	मुख्य परीक्षा

	• क्रांतिदूत के रूप में • काले घुंघराले बालों के समान • कल्पना के समान अस्थिर और प्रतिपल परिवर्तित • कवि-रूप में भी, जीवनदाता के रूप में	

पाठ-4 (काव्य खंड)
अट नहीं रही है (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**'अट नहीं रही है' कविता का कवि किन भावों में डूबा हुआ है? उसके भावों के लिए उत्तरदायी कारक कौन-से हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- भावः • प्रसन्नता में • उत्साह, उमंग में • कल्पना में कारक: • फागुन माह में वसंत ऋतु का भरपूर प्राकृतिक सौंदर्य • सुवासित हवा • रंग-बिरंगे फूल और नए कोमल लाल-हरे पत्ते	मुख्य परीक्षा
2	**'अट नहीं रही है' कविता का कोई अन्य शीर्षक दीजिए तथा उसका कारण भी स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • अन्य शीर्षक- फाल्गुन, फागुन, वसंत, आया वसंत जैसे शीर्षक • कारण- कविता में वसंत ऋतु फाल्गुन मास के दौरान के प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण	मुख्य परीक्षा
3.	**"कहीं पड़ी है उर में मंद-गंध-पुष्प माल" 'अट नहीं रही हैं' कविता से उद्धृत इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • फूलों से लदे वृक्षों को देखकर ऐसा प्रतीत होना जैसे प्रकृति ने अपने गले में मंद-मंद सुगंधित फूलों की माला धारण कर ली हो।	मुख्य परीक्षा
4.	**फागुन मास में प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन, 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • लाल-हरे नए पत्तों का निकलना • शीतल-मंद सुवासित हवा का बहना	मुख्य परीक्षा

	• रंग-बिरंगे फूलों से धरती का भर जाना • मन में कल्पना, उत्साह-उमंग का संचार	
5.	**अट नहीं रही है' कविता में कवि ने फाल्गुन मास में वसंत ऋतु में प्रकृति में आए किन बदलावों का चित्रण किया है? इन बदलावों से आपके मन पर जो प्रभाव पड़ता है उसे भी लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • लाल-हरे नए पत्तों का निकलना • शीतल-मंद सुवासित हवा का बहना • रंग-बिरंगे फूलों से धरती का भर जाना • दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे- मन में कल्पना, उत्साह- उमंग का संचार	मुख्य परीक्षा
6.	**अपने पाठ्यक्रम से पढ़ी एक ऐसी कविता का उल्लेख कीजिए जो पूरी तरह प्रकृति की शोभा पर केन्द्रित है। कविता के केंद्रीय भाव को भी लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • अट नहीं रही है; केंद्रीय भावः • फागुन के सौंदर्य का वर्णन • प्रकृति का उल्लासमय परिवर्तन • प्रकृति की अपरिमित आभा • प्रकृति और मानव मन का गहरा संबंध	मुख्य परीक्षा

पाठ-5 (काव्य खंड)
यह दंतुरित मुसकान (नागार्जुन)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में बच्चे की मुसकान के प्रभाव का जो वर्णन कवि ने किया है उसे अपने शब्दों में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मृतक में भी जान डालना यानी निराश व्यक्ति में आशा का संचार करना • कठोर से कठोर व्यक्ति के हृदय में वात्सल्य भाव जगाना	मुख्य परीक्षा
2	**'यह दंतुरित मुस्कान' का कवि बालक की माँ को धन्य क्यों कह रहा है? शिशु के प्रति माता किन कर्तव्यों का निर्वाह करती है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • पालन-पोषण करने और प्रवासी पिता के आगमन पर उसका परिचय कराने के लिए • अबोध शिशु की देखभाल और उसे मधुपर्क का पान करवाना • शिशु के पोषण, स्वास्थ्य व विकास का ध्यान रखना • शारीरिक, मानसिक सुरक्षा प्रदान करना • संस्कार देना • शिशु को स्नेह और अपनापन देना	मुख्य परीक्षा
3.	**'यह दंतुरित मुसकान' कविता में बच्चे के स्पर्श से 'शेफालिका के फूलों के झरने' से क्या अभिप्राय है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • स्नेह और वात्सल्य भाव जो बच्चे के स्पर्श से कवि के मन से फूट पड़े • कठोर और रूखे मन में कोमलता और आनंद का प्रवाह	मुख्य परीक्षा
4.	**यह 'दंतुरित मुस्कान' कविता में शिशु से मिलकर कवि को कैसी अनुभूति होती है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • वात्सल्य की अनुभूति • निराश मन में आशा का संचार • कठोर मन में कोमल भावनाओं का प्रवाह	मुख्य परीक्षा

5.	**'यह दंतुरित मुसकान' कविता का कवि अपनी संतान के प्रति अपने उत्तरदायित्यों का निर्वाह करने में क्यों अक्षम रहा है? कवि के अनुसार बच्चे का पालन-पोषण उसकी माँ ने कैसे किया है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • चिर प्रवासी होने के कारण; • अबोध शिशु की देखभाल करना • उसे मधुपर्क के रूप में स्वाद और पोषण से भरा भोजन करवाना • शिशु के स्वास्थ्य और विकास का ध्यान रखना	मुख्य परीक्षा
6.	**'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर बाल मनोविज्ञान के किन्हीं दो पक्षों पर प्रकाश डालिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बच्चों के सामने किसी अजनबी के आने पर वे आँखों की कनखियों से देखते हैं, पहचानने की कोशिश करते हैं। • कभी वे मुसकुराते हैं तो कभी एकटक देखते हैं। • अजनबी व्यक्ति के अनजान और कठोर स्पर्श से रो भी पड़ते हैं।	मुख्य परीक्षा

पाठ-5 (काव्य खंड)

फसल (नागार्जुन)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**कवि ने 'फसल' को पानी का जादू क्यों कहा है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • फसलों के उत्पादन और पोषण में पानी की महत्त्वपूर्ण भूमिका • पानी में फसलों की वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व • पानी से ही फसल में हरियाली और नवजीवन का संचार • नदियों के जल के साथ उपजाऊ मिट्टी के आने से जादू के समान फसल की पैदावार	मुख्य परीक्षा
2	**'फ़सल' के लिए आवश्यक कारकों का उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • प्रकृति के तत्त्व- मिट्टी, पानी, हवा, प्रकाश • मनुष्य का परिश्रम	मुख्य परीक्षा
3.	**फ़सल प्रकृति और मानव की सहभागिता का सर्वोत्कृष्ट रूप है, कैसे?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • फसल के उपजने में प्रकृति के तत्त्वों- मिट्टी, पानी, हवा, प्रकाश के साथ मनुष्य के परिश्रम का भी बराबर योगदान है।	मुख्य परीक्षा
4.	**फसलें मानव की आधारभूत आवश्यकता से जुड़ी हैं और फसलों का आधारभूत तत्त्व है मिट्टी। वर्तमान जीवन शैली ने अनेक रूपों में इस मिट्टी को प्रभावित किया है। 'फसल' कविता के संदर्भ में इन प्रभावों का उल्लेख कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कृषि में रसायनों और कीटनाशक दवाओं के प्रयोग से मिट्टी का प्रदूषित होना • फसलों की निरंतर उत्पत्ति से उर्वरता का क्षीण होना • प्लास्टिक, औद्योगिक कचरे से मिट्टी की गुणवत्ता का कमतर होना	मुख्य परीक्षा
5.	**'फ़सल' कविता के संदर्भ में लिखिए कि आपकी दृष्टि में फ़सल उत्पादन में सर्वाधिक योगदान किसका है और क्यों?** • स्वतंत्र / मुक्त उत्तर	पूरक परीक्षा

पाठ 6 (काव्य खंड)

संगतकार (मंगलेश डबराल)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**'संगतकार' कविता से उद्धृत पंक्ति "वह आवाज़ सुंदर काँपती हुई थी" में कवि ने संगतकार की आवाज़ को सुंदर किंतु काँपती हुई-सी क्यों कहा है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संगतकार की आवाज़ सुरीली परंतु मुख्य गायक की तुलना में कम सधी और कम अनुभवी • मुख्य गायक का साथ देते हुए उसकी आवाज़ पर अपनी आवाज़ को हावी न होने देने की कोशिश के कारण	मुख्य परीक्षा
2	**'संगतकार' का मुख्य काम क्या होता है? क्या कविता में वर्णित 'संगतकार' अपने काम में सफल है? सोदाहरण लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मुख्य गायक का साथ देना • हाँ, वह अपने काम में सफल है उदाहरण: • गायन में साथ देना • उत्साह को बनाए रखना • अकेलेपन का अहसास न होने देना • अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभाले रखना • स्वर को बिखरने से पहले ही सँभाल लेना • अपनी आवाज़ को ऊँचा न उठाना	मुख्य परीक्षा
3.	**'संगतकार' की भूमिका क्या होती है? कवि मंगलेश डबराल उस भूमिका में 'मनुष्यता' को क्यों देखते हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मुख्य गायक का साथ देना • उत्साह बनाए रखना • मनुष्यता: निस्वार्थ भावना, सहयोग की भावना	मुख्य परीक्षा
4.	**संगतकार मुख्य गायक का साथ किस-किस रूप में देता है? किन्हीं दो का वर्णन कविता के आधार पर कीजिए।**	मुख्य परीक्षा

	सांकेतिक मूल्य बिंदु- • गायन में साथ देकर • उत्साह को बनाए रखकर • अकेलेपन का अहसास न होने देकर • अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभालकर • स्वर को बिखरने से पहले ही सँभालकर	
5.	**'संगतकार' के दो गुणों का उल्लेख करते हुए लिखिए कि इन्हीं दो का चयन आपने क्यों किया है।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • समर्पण • निस्वार्थता • मनुष्यता • विनम्रता • संयम • अनुशासन	मुख्य परीक्षा
6.	**'और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है।' इस पंक्ति में किसकी आवाज़ हिचक से भरी है? कारण सहित लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संगतकार की • मुख्य गायक का साथ देते हुए उसकी आवाज़ पर अपनी आवाज़ को हावी न होने देने की कोशिश के कारण • मुख्य गायक के महत्त्व और श्रेष्ठता को बनाए रखने के कारण	मुख्य परीक्षा
7.	**'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि ने किस सत्य को उजागर किया है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • किसी व्यक्ति की सफलता में कई लोगों का योगदान होता है। • प्रत्येक व्यक्ति की अपनी-अपनी भूमिका और अपना-अपना महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। • कला माध्यमों में सहायक कलाकारों की अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है पर पहचान सिर्फ मुख्य कलाकारों को ही मिलती है।	मुख्य परीक्षा

8.	**संगतकार मुख्य गायक का साथ किस-किस रूप में देता है? किन्हीं दो का वर्णन कविता के आधार पर कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • स्थायी को संभालना • ढाँढ़स बँधाना • अकेला न महसूस होने देना आदि।	मुख्य परीक्षा

पाठ 7 (गद्य खंड)

नेताजी का चश्मा (स्वयं प्रकाश)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**हालदार साहब का हर बार कस्बे से गुजरते हुए मूर्ति के पास रुकना क्या दर्शाता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मूर्ति पर बदलते चश्मे की देखने के उत्सुकता और कौतूहल	मुख्य परीक्षा
2	**कैप्टन को देखकर हालदार साहब को धक्का क्यों लगा? हालदार साहब के व्यक्तित्व, पाठ के घटना-क्रम और अपने विचारों के आधार पर किन्हीं दो कारणों को लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कैप्टन नाम सुनकर, नेताजी सुभाषचंद्र बोस का साथी या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सैनिक/ स्वतंत्रता सेनानी समझना • अनुमान के विपरीत कद-काठी और शारीरिक अवस्था देखकर • देशभक्त की दीन-हीन स्थिति देखकर • कैप्टन कोई सैन्य अधिकारी नहीं बल्कि एक फेरीवाला	मुख्य परीक्षा
3.	**हालदार साहब ने मूर्ति पर चश्मा लगाने वाले का नाम 'कैप्टन' सुनकर उसके बारे में क्या अनुमान लगाया ? उन्हें उन अनुमानों के ग़लत साबित होने पर कैसा लगा?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कैप्टन नेताजी सुभाषचंद्र बोस का साथी या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सैनिक/ स्वतंत्रता सेनानी • कोई प्रभावशाली, महत्त्वपूर्ण और प्रतिष्ठित व्यक्ति; • अवाक रह गए	मुख्य परीक्षा
4.	**हालदार साहब ने अपने मन में मूर्ति पर चश्मा लगाने वाले की एक छवि क्यों और कैसी बनाई? उस छवि को धक्का किस बात से लगा?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कैप्टन नाम सुनकर, नेताजी सुभाषचंद्र बोस का साथी या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सैनिक/ स्वतंत्रता सेनानी समझना • अनुमान के विपरीत कद-काठी और शारीरिक अवस्था देखकर • देशभक्त की दीन-हीन स्थिति देखकर • कैप्टन कोई सैन्य अधिकारी नहीं बल्कि एक फेरीवाला	मुख्य परीक्षा
5.	**'नेताजी का चश्मा' पाठ में कस्बे के लोगों के किस प्रयास को सराहनीय कहा जा रहा है और क्यों?**	मुख्य परीक्षा

	सांकेतिक मूल्य बिंदु- • नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति लगाने के प्रयास को कारण - • देशभक्तों / शहीदों/ स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्ति लगाना देशभक्ति का प्रतीक • मूर्ति से लोगों में देशभक्ति और प्रेरणा की भावना • नेताजी के प्रति उनके आदर और सम्मान का प्रतीक • नेताजी की स्मृतियों और धरोहर को संजोकर रखने का प्रयास	
6.	**'पानवाले' के व्यक्तित्व पर टिप्पणी करते हुए उसकी दो विशेषताएँ लिखिए। एक जिसे आप पसंद करते हों और दूसरी जिसे आप अवश्य बदलना चाहेंगे। दोनों को स्पष्ट करना ज़रूरी है।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • पसंद- खुशमिज़ाज/संवेदनशील (कैप्टन की मृत्यु पर दुखी) • बदलना चाहेंगे- मज़ाक उड़ानेवाला/ असंवदेनशील (कैप्टन को लंगड़ा और पागल कहना)	मुख्य परीक्षा
7.	**पानवाला वैसे तो कैप्टन का उपहास करता था परंतु उसकी मृत्यु से वह दुखी क्यों था ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • सहज मानवीय संवेदना • कैप्टन के साथ जुड़ाव महसूस करना	मुख्य परीक्षा
8.	**वैसे तो पान वाला कैप्टन का मज़ाक बनाता था परंतु हालदार साहब को उसकी मृत्यु की बात बताते हुए वह उदास क्यों हो गया?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • सहज मानवीय संवेदना • कैप्टन के साथ जुड़ाव महसूस करना	मुख्य परीक्षा

पाठ 8 (गद्य खंड)
बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी)

प्रश्न संख्या	**वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)**	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**पुत्र की मृत्यु पर बालगोबिन भगत के शोक मनाने का तरीका सामान्य लोगों के तरीके से सर्वथा अलग कैसे था? स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बेटे की मृत्यु पर शोक न मना कर आत्मा-परमात्मा के मिलन का उत्सव मनाना • बेटे के शव के पास बैठकर विलाप करने की जगह तल्लीनता से कबीर के पद गाना • अपनी पुत्रवधू को भी शोक की जगह परमात्मा से मिलन का आनंदोत्सव मनाने के लिए कहना	मुख्य परीक्षा
2	**बालगोबिन भगत ने अपनी पतोहू की चिंता किस प्रकार की? इससे उनके व्यक्तित्व के किस गुण का पता चलता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बेटे की मृत्यु के बाद पतोहू को उसके भाई के साथ हठपूर्वक पुनर्विवाह के लिए भेजकर; व्यक्तित्व के गुण: • वात्सल्य • प्रगतिशीलता • कर्तव्यनिष्ठा • त्याग	मुख्य परीक्षा
3.	**बालगोबिन भगत पाठ से सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि भगत, कबीर की शिक्षा को सिर्फ कथनी में ही नहीं करनी में भी उतारते थे।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बेटे की मृत्यु के समय धैर्य, संयम का परिचय देते हुए आत्मा-परमात्मा के मिलन पर उत्सव मनाना • झूठ न बोलना और खरा व्यवहार करना • बिना पूछे दूसरे की वस्तु को हाथ न लगाना	मुख्य परीक्षा
4.	**'बालगोबिन भगत एक सच्चे गृहस्थ भी थे।' स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • खेतीबाड़ी करना	मुख्य परीक्षा

	- बहू-बेटे वाला परिवार - साफ-सुथरे मकान में निवास - गंगा स्नान जाते समय किसी से भिक्षा न लेना	
5.	**वेशभूषा या बाह्य अनुष्ठानों से ही कोई संन्यासी नहीं होता, संन्यास का आधार जीवन के मानवीय सरोकार होते हैं। बालगोबिन भगत के चरित्र के आधार पर इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- - सांसारिक जीवन जीते हुए भी ईश्वरीय प्रेम और भक्ति में डूबे रहना - खेतीबारी करना किंतु अपनी सारी उपज 'साहब' को अर्पित कर देना - मठ से प्रसाद रूप में जो मिलता, उसी से अपनी गृहस्थी चलाना - बेटे की मृत्यु पर शोक न मनाकर परमात्मा से मिलन का उत्सव मनाना - परिवार से प्रेम परंतु मोह न करना - खरा व्यवहार रखना, कथनी और करनी में अंतर न होना - गृहस्थ होकर भी गंगा-स्नान की यात्रा में साधु की तरह किसी तरह का संबल न लेकर चलना	पूरक परीक्षा
6.	**'बालगोबिन भगत गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी थे।' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- - सांसारिक जीवन जीते हुए भी ईश्वरीय प्रेम और भक्ति में डूबे रहना - खेतीबारी करना किंतु अपनी सारी उपज 'साहब' को अर्पित कर देना - मठ से प्रसाद रूप में जो मिलता, उसी से अपनी गृहस्थी चलाना - बेटे की मृत्यु पर शोक न मनाकर परमात्मा से मिलन का उत्सव मनाना - परिवार से प्रेम परंतु मोह न करना - खरा व्यवहार रखना, कथनी और करनी में अंतर न होना - गृहस्थ होकर भी गंगा-स्नान की यात्रा में साधु की तरह किसी तरह का संबल न लेकर चलना	पूरक परीक्षा
7.	**'बालगोबिन भगत' पाठ के माध्यम से लेखक ने ग्रामीण जीवन की झाँकी का सजीव चित्रण किया है।' पुष्टि कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- - वर्षा के साथ खेती-बारी प्रारम्भ कर देना, जैसे- हल चलाना, बुआई करना आदि - खेतों में गीत गाते हुए रोपनी करना - धान के पानी भरे खेतों में बच्चों का उछलना - स्त्रियों द्वारा कलेवा लेकर खेतों की मेड़ों पर बैठना - शाम को ग्रामीणों का समूह में बैठकर भजन कीर्तन करना, जैसे- खंजड़ी बजाना और कबीर के पद गाना	पूरक परीक्षा

पाठ 9 (गद्य खंड)

लखनवी अंदाज़ (यशपाल)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**लेखक का नवाब साहब के प्रति आरंभ से अंत तक व्यवहार अकड़ से भरा क्यों रहा?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • लेखक के डिब्बे में आने पर नवाब साहब द्वारा अनदेखा किया जाना • लेखक से बातचीत की उत्सुकता न दिखाना • लेखक के प्रति नवाब साहब का उपेक्षापूर्ण व्यवहार • लेखक द्वारा आत्मसम्मान की रक्षा का प्रयास	मुख्य परीक्षा
2	**'लखनवी अंदाज़' के दोनों पात्र नवाबी संस्कृति के ही प्रतिनिधि हैं। उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • झूठा आत्मसम्मान: नवाब द्वारा संगति के लिए उत्साह न दिखाया जाना और लेखक का भी आत्मसम्मान में आँखें चुरा लेना • संभ्रांत वर्ग से होना: औपचारिकतापूर्ण व्यवहार और परिष्कृत लखनवी भाषा का प्रयोग • शिष्टाचार का पालन करना: नवाब साहब द्वारा खीरा खाने के बारे में पूछना और लेखक का विनम्रता से मना करना • दिखावे में विश्वास रखना: लेखक द्वारा नवाब साहब की पेशकश को ठुकरा देना, नवाब साहब द्वारा अपनी शान बनाए रखने के लिए खीरा खाने की बजाय सूंघकर खिड़की से बाहर फेंक देना	मुख्य परीक्षा
3.	**'लखनवी अंदाज़' के दोनों पात्र नवाब साहब और लेखक मूलतः एक समान सफ़ेदपोश सज्जन हैं। इस कथन को उदाहरण सहित सत्य सिद्ध कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • स्वयं को श्रेष्ठ मानने की प्रवृत्ति-लेखक और नवाब साहब दोनों का स्वयं को श्रेष्ठ दिखाना • झूठे आत्मसम्मान का दंभ-नवाब साहब द्वारा लेखक को अनदेखा किया जाना और लेखक द्वारा भी नज़रें चुराना	मुख्य परीक्षा

	• बनावटी जीवनशैली और दिखावा-दोनों पात्रों द्वारा किया जा रहा दिखावे भरा व्यवहार जैसे- खीरे को तुच्छ मानना, खीरा खाने से हिचकना, खीरे को केवल सूँघकर फेंकना	
4.	**लखनवी अंदाज़' पाठ नवाबी संस्कृति की परतों को खोलकर रख देता है, कैसे? सोदाहरण समझाइए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • नवाबी संस्कृतिः बनावटी जीवनशैली और दिखावा, उदाहरण: • दोनों पात्रों द्वारा किया जा रहा दिखावे भरा व्यवहार जैसे खीरे को तुच्छ मानना, खीरा खाने से हिचकना, खीरे को फेंकना • एक-दूसरे से स्वयं को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाना • नवाब साहब द्वारा खीरे की सुगंध और कल्पना मात्र से तृप्ति का अनुभव करना	मुख्य परीक्षा
5.	**ताजे खीरे की फाँकों को देखकर लेखक के मुँह में पानी आ रहा था, फिर भी उन्होंने नवाब साहब के खीरा खाने के आग्रह को ठुकरा दिया।" लेखक के ऐसे व्यवहार का कारण लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • पहली बार नवाब साहब द्वारा खीरा खाने का आग्रह किए जाने पर इंकार कर देने के कारण • अपने इंकार की बात पर अंत तक कायम रहकर अपने आत्मसम्मान को बचाए रखने की कोशिश के कारण	मुख्य परीक्षा

पाठ 10 (गद्य खंड)

एक कहानी यह भी (मन्नू भंडारी)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**अपनी ज़िंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत पड़ोस कल्चर से विछिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है।" लेखिका ने किस 'पड़ोस कल्चर' का उल्लेख किया है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • घर की सीमा का विस्तार मोहल्ले तक • पूरा मोहल्ला एक दूसरे के सुख-दुख में भागीदार • पड़ोसियों के बीच परस्पर प्रेम और पारिवारिक संबंध • संबंधों में स्नेह और विश्वास • अन्य उपयुक्त बिंदु	मुख्य परीक्षा
2	**लेखिका के जीवन के प्रसंगों के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में उसके बचपन की घटनाओं की बड़ी भूमिका होती है।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • माँ के दब्बू और असहाय व्यक्तित्व को देखकर उनके जैसा न बनने का निर्णय • पिता द्वारा बहन के साथ की गई तुलना के प्रभाव स्वरूप लेखिका में हीन भावना • पिता का व्यक्तित्व अधिक प्रभावी होने के कारण न चाहते हुए भी लेखिका में पिता के स्वभाव की झलक • पिता द्वारा देश की तत्कालीन स्थितियों पर चर्चा में शामिल होने के लिए	मुख्य परीक्षा
3.	**'माता-पिता के व्यक्तित्व और व्यवहार दोनों से बच्चों का बचपन प्रभावित होता है।'- 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर दो उदाहरणों से इस कथन को सिद्ध कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • पिता द्वारा बहन के साथ की गई तुलना के प्रभाव स्वरूप लेखिका में हीन भावना • माँ के दब्बू और असहाय व्यक्तित्व को देखकर उनके जैसा न बनने का निर्णय • पिता का व्यक्तित्व अधिक प्रभावी होने के कारण न चाहते हुए भी लेखिका में पिता के स्वभाव की झलक • पिता द्वारा देश की तत्कालीन स्थितियों पर चर्चा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना और रसोईघर से दूर रहकर पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रेरित करना	मुख्य परीक्षा
4.	**किन्हीं दो ऐसे व्यक्तित्व का उल्लेख कीजिए जिसने लेखिका के जीवन में सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों को जन्म दिया।**	मुख्य परीक्षा

	सांकेतिक मूल्य बिंदु- सकारात्मक: ● शीला अग्रवाल द्वारा साहित्य, लेखन और देश की गतिविधियों से जोड़ना ● पिता द्वारा देश की तत्कालीन स्थितियों पर चर्चा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना और रसोईघर से दूर रहकर पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रेरित करना नकारात्मक: ● माँ के दब्बू और असहाय व्यक्तित्व को देखकर उनके जैसा न बनने का निर्णय ● पिता द्वारा बहन के साथ की गई तुलना के प्रभाव स्वरूप लेखिका में हीन भावना ● पिता का व्यक्तित्व अधिक प्रभावी होने के कारण न चाहते हुए भी लेखिका में पिता के स्वभाव की झलक	
5.	**एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर आज़ादी के आंदोलन के भीतर विद्यार्थियों की भूमिका के कोई दो पहलू स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● छात्र-छात्राओं की आंदोलनकर्मी के रूप में सक्रिय भूमिका ● प्रभात फेरियों, हड़तालों, भाषणों आदि में सहभागिता ● कॉलेज / स्कूल से निकलकर सड़कों पर प्रदर्शन	मुख्य परीक्षा
6.	**'एक कहानी यह भी' की लेखिका के जीवन पर उनकी प्राध्यापिका शीला अग्रवाल का क्या प्रभाव पड़ा?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● समझ और साहित्यिक रुचि का विस्तार ● चयन करके पढ़ने की प्रेरणा ● देशप्रेम की भावना को एक दिशा देना ● आजादी के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना	मुख्य परीक्षा
7.	**'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर आज़ादी के संघर्ष में विद्यार्थी वर्ग के योगदान को स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● छात्र-छात्राओं की आंदोलनकर्मी के रूप में सक्रिय भूमिका	पूरक परीक्षा

	• प्रभात फेरियों, हड़तालों, भाषणों आदि में सहभागिता • कॉलेज / स्कूल से निकलकर सड़कों पर प्रदर्शन	
8.	**'अनेक बार बड़ों द्वारा अनजाने और अनचाहे में किया गया व्यवहार बच्चों में हीन भावना को जन्म देता है।' 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर इसकी पुष्टि कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • पिता द्वारा हर बात में लेखिका की तुलना उनकी बड़ी बहन सुशीला से करते हुए बड़ी बहन की प्रशंसा करना और लेखिका को हीन सिद्ध करना • पिता के व्यवहार से जन्मी हीनभावना का लेखिका के अवचेतन में आजीवन बने रहना	पूरक परीक्षा
9.	**'एक कहानी यह भी' पाठ में वर्णित 'पड़ोस कल्चर' को आप अपने 'पड़ोस कल्चर' के कितना नज़दीक पाते हैं? स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • घर की सीमा का विस्तार पूरे मोहल्ले तक किंतु वर्तमान में अपने फ्लैट तक सीमित • पूरा मोहल्ला एक दूसरे के सुख-दुख में भागीदार किंतु वर्तमान में आत्मकेंद्रित • पड़ोसियों के बीच परस्पर प्रेम और पारिवारिक संबंध किंतु वर्तमान में संकुचित • असहाय और असुरक्षित संबंध • संबंधों में स्नेह और विश्वास किंतु वर्तमान में संबंधों में दूरी	पूरक परीक्षा

पाठ 11 (गद्य खंड)

नौबतखाने में इबादत (यतींद्र मिश्र)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**'बिस्मिल्ला खाँ का जीवन, प्रतिभा और परिश्रम का अनूठा सम्मिश्रण है।' कैसे? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के संदर्भ में उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • विशिष्ट प्रतिभा से संपन्न होने के कारण बचपन से ही सुरों की समझ और बालाजी के मंदिर में नियमित शहनाई वादन • शहनाई बजाने में विश्वप्रसिद्धि के बावजूद अस्सी बरस की उम्र तक नियमित रियाज़ किया जाना	मुख्य परीक्षा
2	**'भारत रत्न' से सम्मानित बिस्मिल्ला खाँ की उपलब्धियों के पीछे कौन-से कारण हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संगीत के प्रति संपूर्ण समर्पण • शहनाई वादन में विशिष्ट प्रतिभा • अथक परिश्रम और नियमित रियाज़ • निरंतर सीखने की लगन • पारिवारिक और सामाजिक परिवेश	मुख्य परीक्षा
3.	**"बिस्मिल्ला खाँ के जीवन से सबसे बड़ी प्रेरणा परिश्रम और अभ्यास की मिलती है।" पाठ के आधार पर कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बचपन से ही शहनाई का निरंतर अभ्यास किया (गंगा तट, मंदिरों और नौबतखाने में घंटों रियाज़) • संगीत को इबादत मानकर अभ्यास करना • अस्सी बरस की उम्र तक नियमित रियाज़ किया जाना	मुख्य परीक्षा
4.	**संगतियों के प्रति गायकों के किस व्यवहार से बिस्मिल्ला खाँ दुखी थे?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • गायकों के मन में संगतियों के प्रति कोई आदर भाव न रह जाना • गायकों की नज़रों में संगतियों का कोई महत्त्व नहीं होना • संगतियों की योग्यता और गुणों को कम आँकना	मुख्य परीक्षा
5.	**"ई काशी छोड़कर कहाँ जाएँ" बिस्मिल्ला खाँ के मन में काशी के प्रति विशेष अनुराग के क्या कारण थे?**	मुख्य परीक्षा

	सांकेतिक मूल्य बिंदु- • काशी से उनके पूर्वजों का संबंध • बचपन का जुड़ाव • काशी में रहकर ही सुर साधना करना और शहनाई वादन में विश्व में प्रसिद्धि पाना • काशी की समृद्ध परंपराओं, खानपान, रहन-सहन, गंगा मइया, बालाजी, बाबा विश्वनाथ आदि से जुड़ाव	
6.	**'नौबतखाने में इबादत' पाठ से उद्धृत पंक्ति 'फटा सुर न बख्शे। लुंगिया का क्या है, आज फटी है तो कल सी जाएगी।' कथन के संदर्भ में बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • विनम्रता, सरलता, सादगीपूर्ण जीवन • संगीत के प्रति पूर्ण समर्पण • सीखने की ललक • घमंड से कोसों दूर • सुरों के सच्चे साधक • मंगल-ध्वनि नायक होते हुए भी निरंतर रियाज़	पूरक परीक्षा

पाठ 12 (गद्य खंड)

संस्कृति (भदंत आनंद कौसल्यायन)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**'सभ्यता' और 'संस्कृति' के बीच के अंतर को 'संस्कृति' पाठ के आधार पर समझाइए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • सभ्यता- संस्कृति का परिणाम, संस्कृति का उपयोग और व्यवहार • संस्कृति- व्यक्ति विशेष की वह योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा जिसके बल पर वह कुछ नया आविष्कार, त्याग और परोपकार करता है।	मुख्य परीक्षा
2	**आज का वैज्ञानिक किस आधार पर न्यूटन की तुलना में अधिक सभ्य कहलाएगा? क्या आप 'संस्कृति' पाठ के लेखक की इस अवधारणा से सहमत हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • आज के वैज्ञानिकों को भौतिकी में न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के साथ-साथ उससे भी आगे के अनुसंधानों, नियमों आदि का ज्ञान; दूसरे हिस्से के लिए तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे- • सहमत - समय के साथ शोध और खोज की दुनिया ने द्रुत प्रगति की है और न्यूटन के बाद पता चलने वाली ज्ञान-विज्ञान की हज़ारों बातों की जानकारी आज के वैज्ञानिक को होगी तो वह अधिक सभ्य कहलाएगा।	मुख्य परीक्षा
3.	**'संस्कृति' पाठ के संदर्भ में असंस्कृति और असभ्यता किसे कहेंगे? सोदाहरण लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • असंस्कृति: कल्याण की भावना से नाता टूटना • उदाहरण: मानव की योग्यता, भावना, प्रेरणा, और प्रवृत्ति से विनाशकारी साधनों का आविष्कार • असभ्यता: असंस्कृति का परिणाम • उदाहरण: आत्मविनाश के साधन	मुख्य परीक्षा
4.	**संस्कृति और सभ्यता के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • सभ्यता संस्कृति का परिणाम है जैसे, आग और सुई-धागे के आविष्कार की योग्यता संस्कृति है और इसके परिणामस्वरूप सिलाई मशीन विकसित होना (खोज/आविष्कार/त्याग के प्रारंभिक रूप का उन्नत रूप में प्रयोग)	मुख्य परीक्षा

5.	**'संस्कृति' पाठ के आधार पर संस्कृति और असंस्कृति में अंतर बताइए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संस्कृति: व्यक्ति विशेष की वह योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा जिसके बल पर वह कुछ नया आविष्कार, त्याग और परोपकार करता है। • असंस्कृति: कल्याण की भावना से नाता टूटना	मुख्य परीक्षा
6.	**'संस्कृति' पाठ के आधार पर सभ्यता और संस्कृति के बीच का अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संस्कृति: व्यक्ति विशेष की वह योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा जिसके बल पर वह कुछ नया आविष्कार, त्याग और परोपकार करता है। • सभ्यताः सभ्यता उस संस्कृति का परिणाम है। • उदाहरण: आग व सुई धागे का आविष्कार और प्रयोग	पूरक परीक्षा

पाठ-01 (पूरक पाठ्यपुस्तक)

माता का अँचल (शिवपूजन सहाय)

प्रश्न संख्या	**वर्ष-2025 (4 अंक प्रश्न)**	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**भोलानाथ और उसके साथी खेल-खेल में चिड़ियों-चूहों आदि को तंग किया करते थे। क्या उनका ऐसा करना उचित था? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • जीव-जंतुओं को तंग करना सर्वथा अनुचित परंतु भोलानाथ और उनके साथियों द्वारा भोलेपन, सरलता, जिज्ञासा और अज्ञानतावश आनंद प्राप्ति के लिए किया गया व्यवहार • अपने व्यवहार से पशु-पक्षियों को मिलने वाली तकलीफ से सर्वथा अनभिज्ञ • परिवार, समाज और विद्यालय द्वारा बच्चों को पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनाना आवश्यक	मुख्य परीक्षा
2	**'माता का अँचल' पाठ में बच्चों का पशु-पक्षियों के प्रति कैसा व्यवहार दिखता है? उदाहरण सहित लिखिए। पशु-पक्षियों के प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए? अपने विचारों के आधार पर लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- व्यवहारः • अनजाने में निर्दयी व्यवहार, खेल का सामान समझना • उदाहरण: खेत में चिड़ियों-तितलियों के पीछे भागना और उन्हें पकड़ने की कोशिश करना, चूहों के बिल में पानी डालना; प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे- • करुणा और सहानुभूति से भरा व्यवहार रखना • पशु-पक्षियों को न सताना	मुख्य परीक्षा
3.	**भोलानाथ के पिता उसके जीवन से किस प्रकार जुड़े थे? सोदाहरण लिखिए। भोलानाथ के पिता जैसा व्यवहार बच्चों के जीवन में क्यों आवश्यक होता है? अपने विचारों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- भोलानाथ के पिता का जुड़ाव: • पिता-पुत्र की दिनचर्या का जुड़ाव (पूजा पर बैठना, तिलक लगाना आदि)	मुख्य परीक्षा

	• पुत्र की छोटी-छोटी खुशियों में पिता का साथ (कंधे पर बैठाकर गंगा किनारे ले जाना, डालियों पर झूला झुलाना आदि) • स्नेह और पोषण के माध्यम से पिता का संरक्षण (अपने हाथों से उसे गोरस और भात खिलाना) • पुत्र के खेल-कूद में पिता की सहभागिता और देखरेख (साथियों के साथ मिलकर नाटक करने या मिठाइयों की दुकान लगाने पर दर्शक या ग्राहक बनना) ऐसा व्यवहार बच्चों के जीवन में क्यों आवश्यक: इस हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर, जैसे- • आत्मीयता और सुरक्षा का भाव विकसित करने के लिए • बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए • भावनात्मक रूप से अधिक मजबूत बनाने के लिए • नैतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए	
4.	**भोलानाथ के खेलों की सबसे उल्लेखनीय विशेषताएँ क्या थीं? किन्हीं दो का वर्णन कीजिए। क्या आज के बच्चे वैसे खेलों से खेल सकते हैं? तर्कपूर्ण तरीके से 'हाँ' अथवा 'नहीं' का समर्थन कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • प्रकृति से जुड़ाव • प्राकृतिक परिवेश से ही खेल-सामग्री • सामूहिकता की भावना • पारंपरिकता • कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता • स्वाभाविकता • हाँ: बच्चों का सोसायटी / कॉलोनी/ मोहल्ले/विद्यालय आदि स्थानों पर सामूहिकता में खेलना • माता-पिता और शिक्षकों द्वारा प्रोत्साहन मिलने पर फिर से शारीरिक खेलों से जुड़ाव संभव • नहीं: सुरक्षा कारणों से बच्चों का घर के बाहर जाना कम • आज के बच्चे डिजिटल युग में मोबाइल, वीडियो गेम और इंटरनेट में अधिक व्यस्त	मुख्य परीक्षा
5.	**भोलानाथ के खेल के साथियों में बालिकाओं का न होना उस समाज के किस चित्र को उपस्थित कर रहा है। पाठ में वर्णित घटनाओं, स्थितियों के उदाहरण देते हुए अपने विचार लिखिए। किन्हीं दो का विस्तृत वर्णन आवश्यक है।**	मुख्य परीक्षा

	सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● समाज में लड़के और लड़कियों के बीच उनके खेलने की जगहों और दायरों में अंतर ● संभवतः बालिकाओं की जगह घर के भीतर ● तत्कालीन समाज में लैंगिक भेदभाव का होना ● लड़कियों का बचपन सीमाओं में बंधा ● लड़कियों के लिए शिक्षा के अवसर कम ● विद्यालय और बगीचे के प्रसंगों में किसी लड़की का न होना, जबकि अन्य बालकों के नामों का उल्लेख होना ● पाठ में वर्णित खेलों (जैसे- बारात के खेल में लड़कियों की भूमिका होने के बावजूद लड़कियों का उल्लेख न होना)	
6.	**भोलानाथ और उसके साथियों का प्रकृति से जुड़ाव दिखता है। पाठ के संदर्भ में उस जुड़ाव को सोदाहरण लिखते हुए बताइए कि आज के बच्चे प्रकृति के साथ कैसा संबंध रखते हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● खेल सामग्री- अपने प्राकृतिक परिवेश से जैसे पत्ते, मिट्टी के ढेले, ठीकरे आदि ● खेलने के स्थान- मैदान, बगीचे, खेत आदि ● खेल के विषय- प्रकृति से जुड़े जैसे खेती आदि ● खेल-गीत- बच्चों के खेल-गीतों का विषय प्रकृति	मुख्य परीक्षा
7.	**भोलानाथ और उसके साथियों द्वारा खेले जाने वाले खेलों से, वर्तमान में सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स की गिरफ्त में फँसे बच्चे क्या प्रेरणा ले सकते हैं? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● ऑनलाइन खेलों को छोड़कर भोलानाथ और उसके दोस्तों की तरह घर से बाहर बाग-बगीचों, खेतों और मैदानों में शारीरिक गतिविधियों और परंपरागत खेल-कूद में भाग लेना ● सोशल मीडिया के स्थान पर परिवार तथा दोस्तों के साथ सामूहिक खेल खेलना एवं समय व्यतीत करना	मुख्य परीक्षा

8.	**आजकल के बच्चों के खेल भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेलों से किस रूप में भिन्न हैं? आपको दोनों में से ज्यादा रुचिकर क्या लगता है? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के खेल व्यक्ति केंद्रित (जैसे भोलानाथ का साथियों के साथ मिलकर खेलना थ; आज के बच्चे मोबाइल कंप्यूटर की अपनी स्क्रीन पर) ● पाठ में वर्णित खेल सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीक, कृत्रिम संसाधनों और प्लास्टिक आदि से निर्मित	मुख्य परीक्षा
9.	**भोलानाथ के खेलों, विशेषकर उसके नाटकों में अक्सर उसके बाबूजी भी उसके उन नाटकों को और अधिक आनंदपूर्ण और जीवंत बना देते थे। क्या वर्तमान में भी बच्चे और पिता के बीच ऐसी आत्मीयता और खेल देखने को मिलते हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● अपनी सुविधा-सामर्थ्यानुसार आज भी पिता बच्चों के साथ उनके खेलों में शामिल, जैसे पार्क में साथ खेलने या घूमने जाना आदि ● पिता का संतान के प्रति सहज निश्छल प्रेम व वात्सल्य शाश्वत परंतु बदलते समय के साथ उसकी अभिव्यक्ति में अंतर ● भोलानाथ के पिता के समय में जीवन अत्यंत सरल परंतु वर्तमान जीवन-शैली की जटिलता और व्यस्तता के कारण पिता के पास समयाभाव ● वर्तमान में बच्चों के खेल भोलानाथ के नाटकों आदि वाले खेलों से भिन्न, मशीनी खिलौनों और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते प्रचलन के कारण ऐसे खेल और अवसरों का अभाव	मुख्य परीक्षा
10.	**आजकल के बच्चों का बचपन भोलानाथ के बचपन से कितना भिन्न है? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर तर्कसंगत उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के अधिकांश खेल व्यक्ति केंद्रित (जैसे भोलानाथ साथियों के साथ मिलकर खेलता था आज बच्चे कंप्यूटर/मोबाइल स्क्रीन पर)	मुख्य परीक्षा

	• पाठ में वर्णित खेल सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीक आधारित, कृत्रिम संसाधनों से निर्मित • माता-पिता का भोलानाथ के प्रति सहज निश्छल प्रेम व वात्सल्य शाश्वत परंतु बदलते समय के साथ उसकी अभिव्यक्ति में अंतर • भोलानाथ के माता-पिता के समय में जीवन अत्यंत सरल होने के कारण पर्याप्त समय परंतु वर्तमान जीवन-शैली की जटिलता और व्यस्तता के कारण उनके पास समयाभाव • भोलानाथ के बचपन में पढ़ाई का दबाव नहीं, आज बहुत अधिक	
11.	**'माता का अँचल' में जिस ग्राम्य संस्कृति का उल्लेख है, उससे वर्तमान ग्राम्य संस्कृति किस रूप में भिन्न है? क्या इस भिन्नता को सकारात्मक परिवर्तन कहा जा सकता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- पाठ में वर्णित ग्राम्य संस्कृतिः • शांत, प्राकृतिक एवं आत्मीयता से परिपूर्ण वातावरण • सरल एवं सादगीपूर्ण जीवनशैली • प्रकृति से निकटता • खेती-बाड़ी से जुड़ाव • खेल-मनोरंजन के सरल और सुलभ साधन वर्तमान ग्राम्य संस्कृतिः • आधुनिक तकनीकी साधनों से युक्त • कृत्रिमता का बढ़ता प्रभाव • प्रकृति से निरंतर बढ़ती दूरी • रहन-सहन, खान-पान, खेल-कूद और मनोरंजन के साधनों पर शहरी चकाचौंध का बढ़ता प्रभाव प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे- • समय के साथ परिवर्तन स्वाभाविक, तकनीक के साथ आगे बढ़ना सकारात्मक • आज के समय में लोगों के बीच आत्मीयता और जुड़ाव में कमी जो सकारात्मक नहीं	मुख्य परीक्षा

12.	**'माता का अँचल' पाठ में बाबूजी माताजी से कब और क्यों नाराज़ हो जाते थे? संतान के प्रति इस प्रकार का व्यवहार क्या आपको अपने घर या घर के आसपास भी दिखाई देता है, संक्षेप में वर्णन कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • माताजी द्वारा भोलानाथ की इच्छा के विरुद्ध पकड़ कर कड़वा तेल लगाकर चोटी गूँथते समय भोलानाथ के ज़ोर-ज़ोर से रोने पर क्यों- • वात्सल्यवश पिताजी से भोलानाथ का रोना बर्दाश्त न होने पर • मुक्त उत्तर	मुख्य परीक्षा
13.	**भोलानाथ और उसके साथियों के नाटकों के खेल में बाबूजी अक्सर शामिल हो जाते थे परंतु उनके शामिल होते ही बच्चे उस नाटकीय खेल को समाप्त कर भाग खड़े होते थे। आपके विचार में बाबूजी का ऐसा करना कहाँ तक उचित था? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • सर्वथा उचित-बाबूजी का ऐसा व्यवहार बच्चों के खेलों को बिगाड़ने के लिए नहीं बल्कि उनका साथ देने, उनके साथ मित्रवत खेलने के लिए अथवा • अनुचित-बच्चे अपने मित्रों के साथ अधिक सहज रहते हैं, बड़ों के आने से उनमें संकोच और भय	मुख्य परीक्षा
14.	**भोलानाथ के प्रति उसके माता-पिता के वात्सल्य का उल्लेख है। क्या वर्तमान में भी बच्चों को अपने माता-पिता से ऐसा ही प्रेम मिल पाता है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • माता-पिता का संतान के प्रति सहज निश्छल प्रेम व वात्सल्य शास्वत परंतु बदलते समय के साथ उसकी अभिव्यक्ति में अंतर • भोलानाथ के माता-पिता के समय में जीवन अत्यंत सरल और पर्याप्त समय परंतु वर्तमान जीवन-शैली की जटिलता और व्यस्तता के कारण पिता के पास समयाभाव	मुख्य परीक्षा
15.	**'माता का अँचल' पाठ में वर्णित मूसन तिवारी वाली घटना का संक्षिप्त वर्णन करते हुए लिखिए कि इस घटना से बाल मनोविज्ञान के विषय में क्या जानकारी मिलती है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु-	पूरक परीक्षा

	मूसन तिवारी की घटना- ● लेखक और उसके मित्रों के द्वारा मूसन तिवारी को चिढ़ाया जाना ● मूसन तिवारी का बच्चों का पीछा करते हुए पाठशाला पहुँचना, मास्टर जी से शिकायत करना और मास्टर जी द्वारा बच्चों को डाँटना-फटकारना। लेखक के पिता का उसे लाड़-प्यार कर घर लाना। बाल मनोविज्ञान - ● चिढ़ाना बच्चों की एक सामान्य और सहज क्रिया है। ● वे अकसर अपने दोस्तों के साथ मिलकर बिना सोचे-समझे ऐसे मज़ाक करते हैं। उनके लिए ये खेल-सा हो जाता है। ● बच्चे छोटी-छोटी बातों में सहम भी जाते हैं। ● बच्चे डाँट-फटकार से डर जाते हैं। ● बच्चे सही-गलत की चिंता किए बिना एक-दूसरे की देखा-देखी कार्य करने लगते हैं।	

पाठ 02 (पूरक पाठ्यपुस्तक)
साना-साना हाथ जोड़ि... (मधु कांकरिया)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (4 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**गंगटोक के वर्तमान सुंदर स्वरूप में वहाँ के निवासियों का क्या योगदान है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद वहाँ के मेहनतकश निवासियों द्‌वारा उसका विकास • प्राकृतिक परिवेश और शहर को स्वच्छ रखना • प्रकृति के प्रति पवित्र भाव रखते हुए उसका संरक्षण करना	मुख्य परीक्षा
2	**'पत्थर तोड़ती मज़दूर पहाड़ी महिलाओं के भीतर जीवन का उल्लास मौजूद था' यह कथन किस आधार पर कहा जा सकता है? उन स्त्रियों और उनकी जीवन स्थितियों का वर्णन करते हुए बताइए कि आप उनसे क्या सीख सकते हैं।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- आधार- • वे अचानक किसी बात पर ठहाका लगाकर हँस पड़ीं। जीवन स्थितियाँ- • अथक परिश्रम, मातृत्व और श्रम-साधना का संतुलन (पत्थर तोड़ने का कार्य करते हुए छोटे बच्चे साथ) • प्रतिकूल परिस्थितियाँ- गरीबी, अभावों, वंचनाओं की शिकार, कठोर एवं विषम • प्राकृतिक स्थितियाँ: सीख- • प्रश्न के इस हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे- • परिश्रमी होना • जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी आनंद और उल्लास का होना • समाज से कम लेना और अधिक लौटाना	मुख्य परीक्षा
3.	**'साना साना हाथ जोड़ि...' पाठ की लेखिका जितना ही बाहर के सौंदर्य से अभिभूत हो रही थीं उतना ही अपने भीतर डूब जा रही थीं। पाठ से दो उदाहरण लेकर लेखिका की दोनों अवस्थाओं का चित्रण कीजिए।**	मुख्य परीक्षा

	सांकेतिक मूल्य बिंदु- • 'सेवेन सिस्टर्स वॉटरफॉल' के सौंदर्य से लेखिका को जीवन की शक्ति का अहसास होना, • उसके भीतर की तामसिकताओं और बुराइयों का दूर होना • केलांग के रास्ते में लायुंग की शाम में लेखिका का तिस्ता के किनारे बैठ आध्यात्मिकता और दर्शन में डूब जाना	
4.	**'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ में लेखिका ने महानगरों को 'डार्क रूम' की संज्ञा क्यों दी है? महानगरीय जीवन की विसंगतियों का उल्लेख करते हुए लिखिए कि हम उसे कैसे बेहतर बना सकते हैं।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- डार्करूम क्यों: • भाग-दौड़ भरी व्यस्तता के कारण • प्रकृति से दूर होने के कारण • प्रदूषण के कारण विसंगतियाँ: • कृत्रिम जीवनशैली • मानसिक तनाव और घुटन • लोगों में आपसी जुड़ाव और आत्मीयता की कमी • भीड़ में भी अकेलापन समाधान: • सुनियोजित विकास करना • सामुदायिक जीवन को बढ़ावा देना • प्रकृति से जुड़ाव और मानसिक शांति हेतु उपाय अपनाना • परिवार और समाज के साथ संतुलन बनाए रखना • प्रदूषण कम करने के लिए योजनाएँ बनाना • सामाजिक और आर्थिक संतुलन बनाए रखना • जीवन की गुणवत्ता में सुधार • प्रकृति का ध्यान रखना • अपने परिवेश की पूरी देखभाल करना	मुख्य परीक्षा

5.	**साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ में जितेन लेखिका को नेपाली भाषा बोलते देख अत्यंत उत्साह से भर उठा। इस बात से आप किन निष्कर्षों तक पहुँचते हैं? किन्हीं दो का उल्लेख करते हुए बताइए कि जितेन की जगह आप होते तो आप क्या महसूस करते और क्यों?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मातृभाषा से प्रेम और गर्व का भाव • मातृभाषा का व्यक्ति के हृदय के सबसे निकट होना • किसी और को अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते देख आनंद महसूस करना • भाषा संवाद, आत्मीयता और बुड़ाव का माध्यम • बहुभाषिकता द्वारा सामाजिक सौहार्द और मैत्री को बढ़ावा मिलना • भाषा सांस्कृतिक पहचान की प्रतीक स्वतंत्र उत्तर, जैसे • अपनी भाषा सुनकर खुशी और गर्व • आत्मीयता और सौहार्द • संवादों और व्यवहार में सहजता	मुख्य परीक्षा
6.	**'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में लेखिका के पर्यटन-अनुभवों में आपको सबसे विशेष कौन-सी बातें लगीं? किन्हीं दो बातों का उल्लेख करते हुए अपनी किसी पर्यटन यात्रा के अनुभव का उल्लेख कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • धार्मिक (पताकाओं और प्रार्थना चक्र को देखा, आध्यात्मिक (संकल्प और तामसिकताओं का उल्लेख) चिंतन करना • प्राकृतिक सुंदरता देखने के साथ-साथ सामाजिक चिंतन (पहाड़िनों, स्कूली बच्चों, सैनिकों को देख) • बर्फ के प्रति उनकी उत्सुकता (लापुंग और कटाओ जाना, कटाओं में बर्फ को देखना।) • दर्शनीय स्थलों पर सबसे अलग हटकर उन दृश्यों को मन में भर लेना ('सेवेन सिस्टर्स' झरने के पास, तीस्ता नदी के किनारे।) • प्राकृतिक दृश्यों के साथ एकात्म होना (देश और काल की सरहदों से दूर नदी की धारा तरह स्वयं को महसूस करना, अभिशप्त राजकुमारी सी।) • प्रकृति के दृश्यों को एक नई दृष्टि से देखना (चाय के बागान के रंग, मेघों और हिमालय का वर्णन)	मुख्य परीक्षा

	• अपने पूर्व अनुभवों और नगरीय जीवन से जोड़कर देखना (झारखंड की यात्रा और महानगरों का उल्लेख)	
7.	**यद्यपि पर्वतीय क्षेत्रों के विकास में पर्यटन उद्योग का महत्त्वपूर्ण स्थान है तथापि यही पर्यटन इन क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण हेतु भी उत्तरदायी है। 'साना-साना हाथ जोड़ि..' के आधार पर लिखिए कि इसे कैसे संतुलित किया जा सकता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • व्यावसायिक गतिविधियों को नियंत्रित और सीमित करके • गंदगी फैलाने पर कठोर दंड का प्रावधान करके • पर्यावरण हितैषी नियमों का कठोरता से पालन करके • पर्यटकों की संख्या सीमित करके • वनों की कटाई पर रोक धाम और वृक्षारोपण करके • निजी की जगह पर सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग को बढ़ावा देकर • स्वच्छ ईंधन के वाहनों को बढ़ावा देकर • प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाकर	मुख्य परीक्षा
8.	**वर्तमान में पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन की विभीषिका से ग्रस्त है। ऐसे में 'साना-साना हाथ जोड़ि...,' पाठ से हम क्या सीख ले सकते हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • प्राकृतिक संपदाओं का सतर्कता और संवेदना के साथ उपभोग (पहाड़ी स्त्रियों द्वारा कम लेकर अधिक लौटाना) • प्रकृति का संरक्षण (हिम शिखरों के उल्लेख द्वारा जल संरक्षण) विभिन्न प्राकृतिक घटकों को उनके वास्तविक रूप में बनाए रखना (कटाओ में दुकानों आदि का न होना।) • प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति अपनेपन और कृतज्ञता का भाव (पहाड़, नदी झरने - हम इनकी पूजा करते हैं, इन्हें गंदा करेंगे तो मर जाएँगे। • पर्यटकों द्वारा पहाड़ों में गंदगी न करने का सचेत अभ्यास (लेखिका और उनके साथियों द्वारा आदर्श व्यवहार)	मुख्य परीक्षा
9.	**'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ में बॉर्डर एरिया में फौजी छावनी पर 'वी गिव अवर टुडे फॉर योर टुमारों' को पढ़कर लेखिका का मन उदास क्यों हो गया? स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • आम लोगों के जीवन को सुखद और सुरक्षित बनाने के लिए फौजियों का संघर्ष, त्याग और बलिदान देखकर	मुख्य परीक्षा

	• दुस्साध्य प्राकृतिक परिस्थितियों और एकाकीपन के कारण फौजियों के जीवन में उत्पन्न समस्याओं एवं पीड़ा का अहसास • एक फौजी की प्रतिक्रिया, "आप चैन की नींद सो सकें इसलिए हम यहाँ पहरा दे रहे हैं।"	
10.	**'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ में वर्णित 'खेदुम' क्या है? गैंगटॉकवासियों की 'खेदुम' के प्रति आस्था के क्या कारण हैं? क्या आप उसे सही मानते हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • खेदुम ऊँचे पहाड़ पर लगभग एक किलोमीटर बड़ा पवित्र क्षेत्र • देवी-देवताओं का निवास प्रश्न के तीसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे- • धार्मिक आस्थाएँ और मान्यताएँ तर्क से परे और विश्वास का विषय • इस मान्यता का गैंगटोक के उस क्षेत्र विशिष्ट पर अत्यंत सकारात्मक असर • इसी कारण वहाँ के लोग पहाड़ों पर गंदगी नहीं फैलाते	मुख्य परीक्षा
11.	**जितेन नार्गे जैसे गाइड के साथ किसी भी पर्यटन स्थल का भ्रमण अधिक आनंददायक और यादगार हो सकता है।" इस कथन के समर्थन में 'साना साना हाथ जोड़ ....' पाठ के आधार पर तर्कसंगत उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • एक कुशल गाइड- अपने क्षेत्र और उससे जुड़े हर पहलू की जानकारी, समय प्रबंधन • पर्यटकों से बातचीत में कुशल और अपनापन • भाषा, सांस्कृतिक मान्यताओं और परंपराओं की जानकारी • अपने क्षेत्र की समस्याओं के प्रति उसकी संवेदनशीलता • मानवीय दृष्टिकोण • पर्यावरण के प्रति जागरूक • खुशमिज़ाज	मुख्य परीक्षा
12.	**'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ में देश की सीमाओं पर तैनात उन फौजियों का उल्लेख है जो अत्यंत विषम प्राकृतिक परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हैं। एक जागरूक नागरिक के रूप में आप अपने गाँव/शहर के लिए क्या कर सकते हैं? पाठ के आधार पर बताइए ।** • स्वतंत्र उत्तर (विद्यार्थी की स्वेच्छानुसार तार्किक उत्तर)	मुख्य परीक्षा
13.	**'साना-साना हाथ जोड़ि...' के आधार पर सिक्किम जैसे पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाओं की स्थिति पर प्रकाश डालिए।**	मुख्य परीक्षा

	सांकेतिक मूल्य बिंदु- • गरीबी, अभावों, वंचनाओं की शिकार • मातृत्व और श्रम-साधना का संतुलन (पत्थर तोड़ने का कार्य करते हुए छोटे बच्चे साथ) • सामाजिक और आर्थिक जीवन में सक्रिय • जीवन के उल्लास और उमंग से भरपूर	
14.	**'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ से उद्धृत 'जाने कितना ऋण है हम पर इन नदियों का'- कथन के संदर्भ में मानव जीवन में नदियों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • नदियों के किनारे सभ्यता और संस्कृतियों का जन्म • आर्थिक-सामाजिक प्रगति का आधार • समस्त जीव-जगत का आधार • नदियों का पानी पीने, घरेलू उपयोग और सिंचाई के लिए उपयोगी • ऊर्जा और परिवहन का साधन • मत्स्य पालन उद्योग में सहायक	पूरक परीक्षा

पाठ 03 (पूरक पाठ्यपुस्तक)
मैं क्यों लिखता हूँ? (सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय')

प्रश्न संख्या	वर्ष-2025 (4 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ में लेखक ने विज्ञान के विनाशकारी रूप को विशेषकर उजागर किया है। क्या आप लेखक की दृष्टि से सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • हिरोशिमा में किया गया आणविक विस्फोट विज्ञान के अत्यंत विनाशकारी रूप का उदाहरण • विज्ञान का इस्तेमाल व्यक्ति, समुदाय, राष्ट्र विशेष के विवेक पर निर्भर • मानव का वर्तमान जीवन विज्ञान से प्रभावित • मानव जीवन को सरल, सहज और सुविधासंपन्न बनाने में विज्ञान का सतत योगदान	मुख्य परीक्षा
2	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर प्रत्यक्ष अनुभव और अनुभूति का अंतर स्पष्ट करते हुए बताइए कि अगर आप कभी लेखन के क्षेत्र में गए तो दोनों में से किसे महत्त्व देंगे और क्यों?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • प्रत्यक्ष अनुभव - जिसे हमने घटित होते हुए देखा हो • अनुभूति - जो घटना हमारे अनुभव की न हो, पर आंतरिक स्तर पर उसे हमने भोक्ता की तरह महसूस किया हो। • अगर मैं लेखन के क्षेत्र में आया/आई तो अनुभव आधारित लेखन करूँगा/करूँगी क्योंकि वह प्रामाणिक होता है।	मुख्य परीक्षा
3.	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर लिखिए कि हिरोशिमा में लेखक ने क्या-क्या देखा और उसकी अनुभूति को किसने झकझोरा? हिरोशिमा की विभीषिका से मनुष्य-जगत क्या सीख सकता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • दृश्य: हिरोशिमा के अस्पताल में रेडियोधर्मी पदार्थ से पीड़ित लोग, एक पत्थर पर परमाणु विस्फोट के समय बनी किसी व्यक्ति की छाया	मुख्य परीक्षा

	सीख - ● विज्ञान का दुरुपयोग न करना ● युद्ध से बचना ● शांति स्थापित करना ● प्रकृति का सम्मान करना	
4.	**कोई भी लेखक कृतिकार कब कहला सकता है? क्या वर्तमान लेखक भी 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के लेखक अज्ञेय की भाँति लेखन-प्रक्रिया पर ऐसा गहरा विचार ज़रूरी समझता है? अपने अनुभव और विचारों के आधार पर उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● आंतरिक प्रेरणा से रचना करने पर ● प्रत्यक्ष अनुभवों की जगह अनुभूति आधारित रचना करने पर ● लेखन में सच्चाई और ईमानदारी बनाए रखने पर ● बाहरी दबाव और आर्थिक विवशता से मुक्त लेखन करने पर ● हाँ- वर्तमान लेखकों द्वारा साहित्य को आत्म-अभिव्यक्ति और संवेदना का साधन मानना ● लेखन-प्रक्रिया पर गहरे विचार करने वाले लेखकों की भूमिका सदैव बने रहना ● नहीं- वर्तमान लेखक रचना-प्रक्रिया पर ऐसा विशद चिंतन नहीं करते, उनके लिए पुस्तक एक उत्पाद ● सोशल मीडिया और डिजिटल युग के प्रभाव के कारण लेखन में त्वरित प्रतिक्रियाएँ और सतही अभिव्यक्ति	मुख्य परीक्षा
5.	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ पढ़ने के पश्चात लेखन की दुनिया और लेखकों के बारे में आपकी जो धारणाएँ बनती हैं, उन्हें चार बिंदुओं में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- ● लेखन पर बाहरी और आंतरिक दबाव ● उत्कृष्ट लेखन आंतरिक विवमाता का परिणाम ● केवल बाहरी कारणों से किया गया लेखन कृति नहीं ● कृतिकार वहीं जो अपने लेखन में गहरी अनुभूति और संवेदना को व्यक्त करे ● सच्चे लेखन में आत्मानुशासन और ईमानदारी आवश्यक प्रत्यक्ष अनुभव से अधिक महत्वपूर्ण अनुभूति ● खुद को जानने की इच्छा लेखन के लिए प्रेरणा ● लिखे बिना लिखने के कारणों को जानना कठिन ● कुछ लोगों द्वारा आर्थिक आवश्यकता के कारण लेखन	मुख्य परीक्षा

	• लेखन पर प्रकाशक और संपादक का आग्रह भी	
6.	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर लिखिए कि कोई भी लेखक क्यों लिखता है? लेखन के लिए अनिवार्य कारकों में आप किसे शामिल करेंगे और क्यों?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बाहरी विवशताः संपादकों का आग्रह, प्रकाशक की माँग, लेखक की अपनी आर्थिक आवश्यकता • आंतरिक विवशताः अपनी आंतरिक विवशता को पहचानना और उससे मुक्ति पाना, लेखन के कारणों को स्वयं भी जानने की इच्छा	मुख्य परीक्षा
7.	**हिरोशिमा जैसी भयावह घटना/परिस्थिति को रोकने के लिए युवा पीढ़ी क्या कर सकती है? 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के संदर्भ में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • परमाणु ऊर्जा के सजग प्रयोग के प्रति सबको सचेत करना • विश्व-शांति और सद्भाव की दिशा में प्रयास करना • जागरूकता फैलाना (सोशल मीडिया, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, रैली आदि के माध्यम से। • अपने घर-परिवार और मित्र-समूह में चर्चा, वाद-विवाद आदि करना • विज्ञान के सदुपयोग के प्रति समाज को प्रेरित करना • स्वयं सकारात्मक वैज्ञानिक अनुसंधानों में संलग्न होना • तकनीक का सदुपयोग करना	मुख्य परीक्षा
8.	**लिखकर स्वयं को कैसे जाना जा सकता है? 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • लिखकर ही आंतरिक विवशता की पहचान संभव • लिखने से अंतर्मन की वास्तविक व्यथा, दुविधा, द्वंद्व से मुक्त होना अथवा उसके समाधान तक पहुँचना संभव • लिखने से अपने आंतरिक जीवन के विभिन्न स्तरों, मन की विविध परतों को समझ पाना संभव	मुख्य परीक्षा
9.	**'जागरूकता और संवेदनशीलता विज्ञान के दुरुपयोग को कम कर सकती है।' 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के संदर्भ में इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु-	मुख्य परीक्षा

	• जागरुकता द्‌वारा हिरोशिमा जैसी त्रासदी के लिए उत्तरदायी विनाशकारी अस्त्रों के निर्माण और प्रयोग पर रोकथाम • संवेदना से विश्व मशांति और मानव कल्याण की भावना का विकसित होना • वैज्ञानिक समुदाय का लोक कल्याणकारी आविष्कारों के लिए प्रेरित होना • शांति की दिशा में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की मजबूती • तकनीक का विवेकपूर्ण प्रयोग • जागरुकता द्‌वारा शांति की दिशा में जनमत निर्माण	
10.	**रचनाकार की रचना बाहरी दबाव से भी प्रभावित होती है। 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर बताइए कि वे कौन से बाहरी दबाव हैं जो किसी रचनाकार की रचना को प्रभावित करते हैं? क्या बाहरी दबाव अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं? स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संपादकों का आग्रह • प्रकाशकों का दबाव • रचनाकारों की अपनी आर्थिक आवश्यकताएँ • स्वतंत्र उत्तर	मुख्य परीक्षा
11.	**एक कृतिकार के लेखन और रचना के पीछे क्या-क्या कारण हो सकते हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संपादकों का आग्रह • प्रकाशकों का दबाव • रचनाकारों की अपनी आर्थिक आवश्यकताएँ • अनुभूति की अभिव्यक्ति	मुख्य परीक्षा
12.	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर लिखिए कि कृतिकार के स्वभाव और आत्मानुशासन का लेखन में क्या महत्त्व है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बाहरी दबाव से अतिरिक्त रूप से प्रभावित नहीं होना • आत्मानुशासन से प्रेरित लेखन की गुणवत्ता अधिक • उच्च कोटि के लेखक, साहित्यकार, रचनाकार आदि बनने में इनकी अहम भूमिका • नियमित और सुचारू लेखन के लिए सहायक	मुख्य परीक्षा
13.	**'अज्ञेय' हिरोशिमा पर कविता लिखने के लिए क्यों विवश हुए?** सांकेतिक मूल्य बिंदु-	मुख्य परीक्षा

	• प्रत्यक्ष अनुभूति (हिरोशिमा में पत्थर पर व्यक्ति की छाया देखने के पश्चात स्वयं को भोक्ता मानना) से प्राप्त आतंरिक विवशता से मुक्ति के लिए	
14.	**गहन संवेदना की अनुभूति सृजन के लिए प्रेरित करती है। 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • गहन संवेदनात्मक अनुभूति हृदय के भावों के प्रकटीकरण में सहायक • इसके बिना किसी भी प्रकार का सृजनात्मक लेखन असंभव • प्रत्यक्ष अनुभूति से आतंरिक विवशता की उत्पत्ति और लेखन की प्रेरणा जैसे लेखक का हिरोशिमा में पत्थर पर व्यक्ति की छाया देखने के पश्चात स्वयं को भोक्ता मानना	मुख्य परीक्षा
15.	**अनुभव और अनुभूति के अंतर को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक को लेखन में दोनों में से कौन अधिक प्रभावित करता है और क्यों?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- अनुभव और अनुभूति में अंतर - • अनुभवः व्यक्ति विशेष के या दूसरों के जीवन में घटी घटनाओं के आधार पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से होता है। • अनुभूतिः किसी ऐसे सत्य को, जो स्वयं के साथ घटित हुआ हो या नहीं, कल्पना के सहारे आत्मसात करना। • लेखक अनुभूति से अधिक प्रभावित कारणः • अनुभूति का लेखक की संवेदनाओं और कल्पनाओं पर गहरा प्रभाव • अनुभूति के माध्यम से लेखक द्वारा उस सत्य को महसूस कर लेना जो उसके सामने घटित नहीं हुआ • अनुभूति से ही लेखन की प्रेरणा	पूरक परीक्षा

पाठ 1 (काव्य खंड)

पद (सूरदास)

प्रश्न संख्या	वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा
1.	**सूरदास के 'पद' के अनुसार गोपियों को ऐसा क्यों लगा कि कृष्ण ने राजनीति पढ़ ली है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • स्वयं न आकर उद्धव द्वारा योग-संदेश भेजने के कारण • प्रेम की मर्यादा का पालन न करने के कारण	मुख्य परीक्षा
2.	**गोपियों ने उद्धव द्वारा बताए गए योग को व्याधि क्यों कहा है? सूरदास के 'पद' के आधार पर बताइए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • गोपियों का श्रीकृष्ण के प्रति एकनिष्ठ प्रेम और समर्पण • योग-संदेश से विरह का और अधिक बढ़ जाना	मुख्य परीक्षा
3.	**सूरदास के 'पद' में उद्धव के व्यवहार की तुलना किनसे और क्यों की गई है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- तुलना- • उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्ते से की गई है • जल में पड़ी तेलयुक्त गगरी से की गई है कारण- • कमल के पत्ते और तेलयुक्त गगरी का जल में रहते हुए भी जल से अछूते रहना, जैसे उद्धव का कृष्ण के समीप रहते हुए भी उनके प्रेम से अछूते रहना	मुख्य परीक्षा
4.	**उद्धव ने गोपियों को समझाने के लिए कौन-सा उपदेश दिया और गोपियों को वह पसंद क्यों नहीं आया?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- कौन-सा- • योग का संदेश • निर्गुण ब्रह्म का संदेश क्यों- • कृष्ण के प्रति एकनिष्ठ प्रेम और समर्पण का भाव • संदेश शुष्क और नीरस	मुख्य परीक्षा

	• संदेश कड़वी ककड़ी के समान • विरह-वेदना बढ़ाने वाला	
5.	**सूर की गोपियों ने उद्धव को 'बड़भागी' किस उद्देश्य से कहा है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • उद्धव पर व्यंग्य करना • श्रीकृष्ण के निकट रहते हुए भी प्रेम की अनुभूति से वंचित रहना	मुख्य परीक्षा

पाठ-2 (काव्य खंड)

राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद (तुलसीदास)

	वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)	
1.	**परशुराम ने किसकी तुलना सहस्रबाहु से की और क्यों?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • शिवधनुष तोड़ने वाले की • सहस्त्रबाहु, उनका शत्रु होने के कारण	मुख्य परीक्षा
2.	**'रामलक्ष्मण परशुराम संवाद' कविता के आधार पर लिखिए कि रघुकुल में किस-किस पर वीरता का प्रदर्शन नहीं किया जाता और क्यों?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • ब्राह्मण, देवता, गाय, ईश्वर के भक्त पर वीरता का प्रदर्शन नहीं • परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे • क्योंकि उनके वध से पाप और उनके हाथों पराजय से अपकीर्ति	मुख्य परीक्षा
3.	**'लक्ष्मण द्वारा परशुराम को चुनौती देने के क्या कारण थे?' अपने शब्दों में पाठ के आधार पर लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • परशुराम के अतिशय क्रोध में कहे गए कठोर वचनों के प्रत्युत्तर में • बार-बार कुठार दिखाने के कारण • लक्ष्मण के वीरोचित उग्र स्वभाव कारण	मुख्य परीक्षा
4.	**परशुराम जी ने लक्ष्मण के सामने अपनी किन-किन विशेषताओं का बखान किया?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- विशेषताएँ: • वीर • बाल ब्रह्मचारी • अत्यधिक क्रोधी • क्षत्रिय द्रोही • विश्वप्रसिद्ध • सहस्रबाहु संहारक	पूरक परीक्षा

पाठ-3 (काव्य खंड)

आत्मकथ्य (जयशंकर प्रसाद)

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**'आत्मकथ्य' कविता से ली गई 'अनंत नीलिमा में असंख्य जीवन इतिहास' पंक्ति का क्या आशय है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • इस सृष्टि में कवि के जीवन के समान अनगिनत लोगों के जीवन की अपनी-अपनी कहानी • कवि का मानना कि उसकी जीवनकथा साधारण	मुख्य परीक्षा
2.	**'आत्मकथ्य' कविता में कवि स्वयं को थका हुआ पथिक क्यों कहता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • भूलों और प्रवंचनाओं से भरा जीवन • संघर्षों और दुखों से भरा जीवन • अभाव ग्रस्त जीवन	मुख्य परीक्षा
3.	**'आत्मकथ्य' कविता में आई पंक्ति 'मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी' का आशय स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • जीवन अस्थायी और नश्वर • पत्तियाँ जीवन का प्रतीक • पत्तियों का गिरना नश्वरता का प्रतीक • इस संसार में लोगों का आना और चले जाना जीवन का सत्य	मुख्य परीक्षा
4.	**मित्रों द्वारा प्रेरित किए जाने पर भी जयशंकर प्रसाद अपनी आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहते थे ?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • निजी जीवन को सार्वजनिक न करने की इच्छा • जीवन सामान्य रहा, ऐसा कुछ विशेष नहीं जिसे लिखा जाए • जीवन की दुर्बलताओं के सार्वजनिक उल्लेख से दूसरों द्वारा सुख पाने की संभावना • हँसी का पात्र बनने का भय • अभावों से भरा रिक्त जीवन • प्रवंचनाओं और छल को सबके सामने न लाने की इच्छा	मुख्य परीक्षा
5.	**'आत्मकथ्य' कविता का रचनाकार अपने जीवन के उज्ज्वल क्षणों - गाथाओं को सबके सामने प्रकट नहीं करना चाहता है। क्यों? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु-	मुख्य परीक्षा

	• निजी प्रेम की सुखपूर्ण स्मृतियाँ निजी सम्पत्ति की तरह • स्मृतियाँ अंधकारपूर्ण जीवन में आगे बढ़ने का एकमात्र सहारा • सार्वजनिक होने पर हँसी का पात्र होने की आशंका	
6.	**'तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे - यह गागर रीती।' कहकर कवि अपने जीवन के किस पहलू पर प्रकाश डालना चाहता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कोई विशेष उपलब्धि नहीं • अभाव व कष्ट भरा जीवन • साधारण जीवन	मुख्य परीक्षा
7.	**जयशंकर प्रसाद ने अपनी आत्मकथा न लिखने के क्या कारण गिनवाए हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • निजी जीवन को सार्वजनिक न करने की इच्छा • जीवन सामान्य है, ऐसा कुछ विशेष नहीं, जिसे लिखा जाए • जीवन की दुर्बलताओं के उल्लेख से दूसरों द्वारा सुख पाने की संभावना • जीवन रिक्त, अभावों से भरा • प्रवंचनाओं और दुर्बलताओं को सबके सामने न लाने की इच्छा	मुख्य परीक्षा
8.	**यदि जयशंकर प्रसाद अपने जीवन का सार सच्चाई, ईमानदारी से लिखते तो क्या परिणाम हो सकता था?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • निजी जीवन का सार्वजनिक हो जाना • जीवन के दुख / अभाव सामने आ जाना • हँसी का पात्र बन जाना • मित्रों को हकीकत का सामने आ जाना	मुख्य परीक्षा

पाठ-4 (काव्य खंड)

उत्साह (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**उत्साह' कविता के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कविता के केन्द्रीय भाव की अभिव्यक्ति • आह्वान गीत • नव परिवर्तन हेतु नव उत्साह • नवीन कल्पना का समावेश	मुख्य परीक्षा
2.	**'उत्साह' कविता में कवि ने धाराधर किसे और क्यों कहा है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- <u>किसे-</u> • उत्साह कविता में बादलों को धाराधर कहा गया है। <u>क्यों-</u> • जल की धारा धारण करने के कारण • लगातार बरसने के कारण	मुख्य परीक्षा
3.	**'उत्साह' कविता में कवि बादलों की तुलना काले-घुँघराले बालों से क्यों करता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • काले बादल और घुँघराले बालों में समानता • दोनों की एक समान संरचना, स्वरुप और विस्तार • बादलों और घुँघराले बालों के सौंदर्य में सादृशता	मुख्य परीक्षा
4.	**क्या आप इस बात से सहमत हैं कि निराला ने 'उत्साह' कविता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का संदेश दिया है? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • नवजीवन, नवनिर्माण की पुकार • शोषित पीड़ित जनता की आकांक्षा की पूर्ति का आह्वान • बादलों से गरजने और परिवर्तन लाने का आग्रह बादल क्रांति के वाहक • अन्य तर्कपूर्ण उत्तर भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
5.	**कवि बादलों से गरजने का अनुरोध क्यों करता है? 'उत्साह' कविता के आधार पर लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • शोषित पीड़ित जन में उत्साह एवं नवचेतना के प्रसार के लिए • सामाजिक क्रांति और परिवर्तन के लिए • नवजीवन, नवनिर्माण के लिए	मुख्य परीक्षा

6.	**'उत्साह' कविता को कोई और शीर्षक दीजिए और बताइए कि आपने उस विशेष शीर्षक का चयन क्यों किया?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • "क्रांति दूत" / क्रांति का अग्रदूत / क्रांति चेतना आदि • कारण - कविता में सामाजिक क्रांति, बदलाव की आकांक्षा आदि	मुख्य परीक्षा
7.	**क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि 'उत्साह' कविता के माध्यम से कवि ने समाज में परिवर्तन का संदेश दिया है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • सामाजिक परिवर्तन के लिए क्रांति की प्रेरणा • नवजीवन, नवनिर्माण की पुकार • शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा की पूर्ति का आह्वान • बादलों से गरजने और परिवर्तन लाने का आग्रह • बादल क्रांति के वाहक • अन्य तर्कपूर्ण बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
8.	**कवि बादलों को 'नवजीवन वाले' कहकर क्यों संबोधित करता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कल्याण करना • परिवर्तन लाना • क्रांति का संदेश देना • तपती धरती को शीतल करना • धरती में नया जीवन भरना	मुख्य परीक्षा

पाठ-4 (काव्य खंड)

अट नहीं रही है (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**फागुन मास में प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन, 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मंद सुवासित, शीतल हवा का बहना • मन में उल्लास और उमंग का भरना • पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते निकलना • वातावरण पुष्पित, पल्वलित और सुगंधित होना	मुख्य परीक्षा
2.	**'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर 'कहीं पड़ी हो उर में, मंद-गंध-पुष्प-माल' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • चारों ओर भाँति- भाँति के फूलों का खिलना और प्रकृति के गले में सुगंधित माला के समान प्रतीत होना	मुख्य परीक्षा
3.	**'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फागुन की शोभा का वर्णन कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • पेड़ों पर लाल, हरे नये पत्ते • प्रसन्नता,उल्लास का वातावरण • पल्लवित, पुष्पित पेड़-पौधे • मंद शीतल सुवासित हवा	मुख्य परीक्षा
4.	**'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर लिखिए कि फागुन मास के प्राकृतिक सौंदर्य का मानव मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मन का नई-नई कल्पनाओं से भर उठना • उत्साह, रोमांच और प्रसन्नता से भर जाना • प्राकृतिक सौंदर्य को देख मन का तृप्त होना • प्रकृति के सौंदर्य में मन का खो जाना	मुख्य परीक्षा
5.	**फागुन की किन विशेषताओं का वर्णन कवि ने 'अट नहीं रही हैं' - कविता में किया है। अपने शब्दों में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते • वातावरण पुष्पित एवं सुगंधित • मंद शीतल सुगंधित हवा	मुख्य परीक्षा

6.	**निराला ने फागुन मास के सौंदर्य का वर्णन किया है। आप फागुन में अपने आस-पास के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • वातावरण पुष्पित एवं सुगंधित होना • पेड़ों पर नए पत्ते/कोंपलें निकलना • प्रकृति और परिवेश का नई उमंग और सौंदर्य से भर जाना	मुख्य परीक्षा
7.	**आसमान में उड़ने के लिए कवि को पंख कब और क्यों लग जाते हैं? 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • प्राकृतिक सौंदर्य के दर्शन से अभिभूत होकर • फागुन माह में • वसंत ऋतु में • कल्पनाशीलता • सपनों और आकांक्षाओं का जागरण • मन में उत्साह, उमंग, प्रेरणा आदि का संचार	पूरक परीक्षा

पाठ-5 (काव्य खंड)
यह दंतुरित मुसकान (नागार्जुन)

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**"बच्चे के निकट आने और उसका स्नेह पाने के लिए सान्निध्य आवश्यक है।" का भाव 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बच्चे का प्रवासी पिता को देखकर न पहचानना	मुख्य परीक्षा
2.	**मुसकान से मानव मन और वातावरण में क्या परिवर्तन देखने को मिलता है ? 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कठोर प्रकृति का कोमल बनना • संवेदनशीलता का बढ़ना • उत्साह और सकारात्मकता की दिशा में प्रेरित होना • सहजता और अच्छाई की भावना विकसित होना • वातावरण का खुशी और सहजता से भर उठना	पूरक परीक्षा

पाठ-5 (काव्य खंड)
फसल (नागार्जुन)

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**'फसल' कविता में कवि ने फसल के बारे में क्या कहा है? फसल उपजाने में अपेक्षित तत्वों का उल्लेख कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- क्या- • लाखों लोगों के हाथों का स्पर्श • ढेर सारी नदियों के पानी का जादू • हजारों खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म • सूर्य की किरणों का रूपांतरण • हवा की थिरकन का संकोच अपेक्षित तत्व- • जल • वायु • मिट्टी • सूर्य	मुख्य परीक्षा

2.	**'फसल' का सृजन कब संभव है? पठित कविता के आधार लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • परीक्षार्थी 'फसल' कविता के संदर्भ में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे- • नदियों के पानी, मिट्टी के गुण-धर्म, सूरज के प्रकाश, हवा और किसान के श्रम का मेल होने पर	मुख्य परीक्षा
3.	**फसल को ढेर सारी नदियों के पानी का जादू क्यों कहा गया है ? कविता के आधार पर लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • फसलों की सिंचाई के लिए नदियों के पानी का प्रयोग • बिना पानी के फसल की पैदावार संभव नहीं • नदियों के पानी के साथ आई उपजाऊ मिट्टी फसलों के लिए वरदान • अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
4.	**'फसल' कविता सामूहिक कार्य का अच्छा उदाहरण है - इस कथन पर टिप्पणी लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • लाखों लोगों के हाथों का स्पर्श • ढेर सारी नदियों के पानी का जादू • हजारों खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म • सूरज की किरणों का रूपांतरण • हवा की थिरकन का संकोच	मुख्य परीक्षा
5.	**मिट्टी की गुणवत्ता (उपजाऊ शक्ति) को हम कैसे कायम रख सकते हैं? 'फ़सल' कविता के संदर्भ में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • लाखों लोगों के हाथों का स्पर्श • ढेर सारी नदियों के पानी का जादू • हजारों खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म • सूरज की किरणों का रूपांतरण • हवा की शिरकन का संकोच	पूरक परीक्षा

पाठ 6 (काव्य खंड)

संगतकार (मंगलेश डबराल)

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**संगतकार की आवाज़ में हिचक की अनुभूति कब होती है? 'संगतकार' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की कोशिश करते समय • मुख्य गायक से स्वयं को पीछे रखने के प्रयास में	मुख्य परीक्षा
2.	**'संगतकार' कविता में 'आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ' - किस संदर्भ में कहा गया है? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- संदर्भ- • तारसप्तक में गाते समय • स्वर को ऊँचा उठाने पर; कारण- • गला बैठ जाना • उत्साह कम हो जाना	मुख्य परीक्षा
3.	**संगतकार मुख्य गायक का साथ कब और क्यों देता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- कब - • अंतरों की जटिल तानों में खो जाने पर • अनहद में खो जाने पर • तारसप्तक में गला बैठने पर; क्यों - • उत्साह को बनाए रखने के लिए • अकेलेपन का अहसास न होने देने के लिए	मुख्य परीक्षा
4.	**'संगतकार' कविता के संदर्भ में लिखिए कि संगतकार कौन होता है? उसके द्वारा किस प्राचीन परंपरा का निर्वाह किया जाता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संगतकार - मुख्य गायक के साथ गायन करने वाला या कोई वाद्य बजाने वाला कलाकार, सहयोगी • प्रश्न के दूसरे भाग के लिए परीक्षार्थी कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे- • मुख्य गायक का साथ देने की परंपरा • गुरु शिष्य परंपरा	मुख्य परीक्षा

5.	**संगतकार द्वारा अपनी आवाज़ को ऊँचा न उठाने की कोशिश उसकी नाकामयाबी क्यों नहीं है ? 'संगतकार' कविता के संदर्भ में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कर्तव्य का निर्वाह • विफलता नहीं; मनुष्यता का परिचायक	मुख्य परीक्षा
6.	**संगतकार गायक को कब और कैसे यह अहसास दिलाता है कि वह अकेला नहीं है ? स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- कब- • तारसप्तक में उसका गला बैठने पर • अंतरे की जटिल तानों में खो जाने पर • उत्साह क्षीण पड़ने / कम होने पर कैसे- • साथ देकर • स्थायी को संभाल कर	मुख्य परीक्षा
7.	**'मुख्य गायक-गायिकाओं की सफलता उनके संगतकारों पर निर्भर करती है।' स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मुख्य गायक की आवाज में अपनी आवाज मिलाकर उसे सशक्त बनाना • कठिन तानों के बीच गायन को सँभाल लेना • तार सप्तक में मुख्य गायक के थके हुए स्वर को सँभाल लेना • मुख्य गायक को अकेला न पड़ने देना • अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
8.	**संगतकार की भूमिका पर कविता के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मुख्य गायक का साथ देना • उसका उत्साह बनाए रखना • उसे अकेलेपन का अहसास न होने देना • उसके अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभाले रखना • अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा

पाठ 7 (गद्य खंड)

नेताजी का चश्मा (स्वयं प्रकाश)

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि पान वाले ने कैप्टन को 'पागल' क्यों कहा?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • आजकल देशभक्ति की भावना को पागलपन समझा जाना • कैप्टन द्वारा नेताजी की मूर्ति पर बार-बार चश्मा लगाया जाना • पानवाले का हँसमुख स्वभाव • पानवाले का कैप्टन के प्रति पूर्वाग्रह • पानवाले की कैप्टन से मित्रता • अन्य स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
2.	**वैसे तो पान वाला कैप्टन का मज़ाक बनाता था परंतु हालदार साहब को उसकी मृत्यु की बात बताते हुए वह उदास क्यों हो गया?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मानवीय लगाव • संवेदनशीलता • आत्मीयता और स्नेह • कोई एक बिंदु विस्तार से लिखने पर	मुख्य परीक्षा
3.	**पार्कों में, सड़कों के किनारे, चौराहों पर उपेक्षित पड़ी मूर्तियाँ अक्सर देखी जा सकती हैं। ऐसी मूर्तियों के रख-रखाव का उत्तरदायित्व किसका है? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में उदाहरण सहित लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • स्थानीय प्रशासन • नागरिक समाज • सरकार आदि	मुख्य परीक्षा
4.	**हम कैसे कह सकते हैं कि पानवाला कैप्टन का मित्र था। 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कैप्टन की मृत्यु का समाचार सुनाते समय पानवाले की आँखों में आँसू आ जाना साबित करता है कि वह उसका मित्र था। • अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा

5.	**'नेताजी का चश्मा' पाठ में कैप्टन नेताजी की मूर्ति पर अनजाने में चश्मा लगाकर और उसके जाने के बाद बच्चे उस पर चश्मा लगाकर अपनी देशभक्ति को प्रकट करते हैं। आप अपनी देशभक्ति को किन-किन कार्यों/व्यवहार के माध्यम से प्रकट करते हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • पाठ द्वारा प्राप्त समझ के आधार पर स्वतंत्र उत्तर लिख कर बताएँगे कि वे अपनी देशभक्ति किन-किन कार्यों या व्यवहार के माध्यम से प्रकट करते हैं।	मुख्य परीक्षा
6.	**'नेताजी का चश्मा' पाठ में पानवाले के मुख से 'कैप्टन' नाम सुनकर हालदार साहब के मन मस्तिष्क में चश्मे वाले के बारे में क्या धारणा बनी थी? वह बाद में कैसे बदल गई?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- धारणा : • कैप्टन नेताजी का साथी या आज़ाद हिंद फ़ौज का भूतपूर्व सिपाही • कोई प्रभावशाली, महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित व्यक्ति धारणा का परिवर्तन : • कैप्टन को प्रत्यक्ष देखकर • पता चलने पर कि चश्मेवाला कोई सैन्य अधिकारी नहीं, बल्कि एक फेरीवाला है।	पूरक परीक्षा

पाठ 8 (गद्य खंड)

बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी)

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर लिखिए कि अपनी पतोहू के प्रति बालगोबिन भगत का व्यवहार उनके किन गुणों को उजागर करता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • समाज में प्रचलित रूढ़ियों का विरोध • प्रगतिशील विचार या सोच • निःस्वार्थ भावना • वात्सल्य भाव • अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
2.	**गंगा-स्नान के लिए आने-जाने के दौरान चार-पाँच दिनों तक बालगोबिन भगत उपवास क्यों रखते थे?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • अपनी आस्था और आदर्शों के कारण बालगोबिन भगत का मानना था कि गृहस्थ को दूसरों से माँगना नहीं चाहिए • साधु को संबल की आवश्यकता नहीं • संयमपूर्ण जीवनशैली का पालन • नियमों का पक्का होना • स्वाभिमानी होना	मुख्य परीक्षा
3.	**"बालगोबिन भगत के स्वरों में एक विशेष प्रकार का आकर्षण था" पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बालगीतों का गायन सुनकर बच्चों का खेलते हुए झूम उठना • औरतों का गुनगुनाना • हलवाहों के पैरों का ताल से उठना • रोपनी करने वालों की अंगुलियों का एक क्रम से चलते लगाना • लेखक का मंत्रमुग्ध होकर सुबह-सवेरे पोखर तक चले जाना • अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
4.	**'बालगोबिन 'साहब' के भक्त थे।' पंक्ति में वर्णित साहब कौन थे और उनके प्रति उनकी भक्ति के क्या कारण रहे होंगे?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- कौन- • कबीर	मुख्य परीक्षा

	कारण- • कबीर का जीवन-दर्शन • कबीर की भक्ति परंपरा में उनकी आस्था • कबीर द्वारा गृहस्थ होकर भी साधु जैसा जीवन व्यतीत करना • कबीर द्वारा सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार	
5.	**कैसे कह सकते हैं कि 'बालगोबिन भगत का जीवनचरित सामाजिक रूढ़ियों की उपेक्षा करता है।' - पाठ के आधार पर लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • पतोहू से अंतिम संस्कार करवाना • पतोहू को पुनर्विवाह का आदेश देना	मुख्य परीक्षा
6.	**बालगोबिन भगत अपने खेत की सारी फसल साहब को भेंट चढ़ा देते और प्रसाद में जो कुछ मिलता उसी से गुजारा करते थे। उनके ऐसा करने के पीछे क्या कारण रहे होंगे?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कबीर के प्रति सच्ची श्रद्धा • स्वयं को उनका सेवक मानना • कबीर के प्रति पूर्ण समर्पण • अपनी प्रत्येक वस्तु पर साहब का हक मानना	मुख्य परीक्षा

पाठ 9 (गद्य खंड)

लखनवी अंदाज़ (यशपाल)

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**'लखनवी अंदाज' पाठ के लेखक को ऐसा क्यों लगा कि उनकी उपस्थिति ने नवाब साहब को असहज कर दिया?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • नवाब साहब की आँखों में असंतोष दिखना • नवाब साहब द्वारा संगति के लिए उत्साह न दिखाया जाना • लेखक का खिड़की के बाहर देखने लगना • उनके चेहरे पर विघ और अप्रसन्नता दिखना	मुख्य परीक्षा
2.	**नवाब साहब और लेखक दोनों की इच्छा खीरा खाने की थी फिर भी उन्होंने खीरा क्यों नहीं खाया?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • खीरे जैसी साधारण वस्तु को खाते देखे जाने का संकोच (नवाब साहब) • खीरे को खाने के निमंत्रण को लेखक द्वारा अस्वीकार करना लेखक के संदर्भ • आत्मसम्मान निबाहने का प्रयास • एक बार मना करके स्वीकार करने का संकोच	मुख्य परीक्षा
3.	**क्या आप "लखनवी अंदाज" के लेखक के इस बात से सहमत हैं कि बिना विचार, घटना और पात्रों के सिर्फ़ इच्छा मात्र से कहानी की रचना संभव है ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संभव है: क्योंकि अनेक कहानियों को पढ़कर लगता है कि वे बिना विचार आदि के लिखी गई है। • संभव नहीं है: क्योंकि किसी भी कहानी के लिए विचार, घटना, पात्र आदि की आवश्यकता होती है।	मुख्य परीक्षा
4.	**'लखनवी अंदाज़' पाठ में' 'लेखक नवाब साहब के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रसित थे।' - इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • अपरिचित होने के बावजूद लेखक द्वारा मात्र देखकर नवाब साहब के प्रति निम्नलिखित धारणाएँ बना लेना उनका पूर्वाग्रह • वे खीरे के साथ देखे जाने के संकोच में होंगे। • वे मध्यम दर्जे में सफ़र करता देखे जाने के संकोच में होंगे।	मुख्य परीक्षा
5.	**'लखनवी अंदाज़' पाठ का लेखक, डिब्बे में नवाब साहब की उपस्थिति से असहज क्यों हो गया?**	मुख्य परीक्षा

	सांकेतिक मूल्य बिंदु- • नवाब साहब द्वारा संगति के लिए उत्साह न दिखाया जाना नवाब साहब की आँखों में असंतोष दिखाई देना • अनुमान के विपरीत डिब्बे में नवाब साहब की उपस्थिति • लेखक की पूर्व निर्धारित योजनाओं (एकांत चिंतन, कहानी के बारे में विचार आदि) में बाधा	
6.	**'लखनवी अंदाज़' पाठ में लेखक किन विशेष कारणों से सेकेंड क्लास में यात्रा करने का निर्णय लेता है? क्या वह अपने उद्देश्य में सफ़ल हो पाता है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • एकांत में नई कहानी के बारे में सोचना • प्राकृतिक दृश्य देखने की इच्छा • भीड़भाड़ से बचना • कम दूरी की यात्रा	मुख्य परीक्षा
7.	**'लखनवी अंदाज़' पाठ में लेखक ने नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान कैसे लगाया?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • व्यवहार का विश्लेषण: नवाब साहब द्वारा संगति के लिए उत्साह न दिखाया जाना। • भावों का विश्लेषण: एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष उनकी आँखों में दिखाई पड़ना। • सामाजिक स्थिति और छवि पर चिंतन: खीरे जैसी मामूली वस्तु के साथ देखे जाने से उनका संकोच में पड़ना।	पूरक परीक्षा

पाठ 10 (गद्य खंड)

एक कहानी यह भी (मन्नू भंडारी)

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**'एक कहानी यह भी' के आधार पर लिखिए कि मन्नू भंडारी को नए सिरे से अपने अस्तित्व का बोध कब हुआ?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बड़े भाई-बहनों के संदर्भ की छत्रछाया के हटने के बाद • पहली बार पिताजी का ध्यान उनके ऊपर केंद्रित होने पर	मुख्य परीक्षा
2.	**'एक कहानी यह भी' की लेखिका के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बाहरी रंग-रूप से परे अपने गुणों को विकसित करना • अपनी बात को साहस के साथ कह पाना • जीवन की परिस्थितियों, अवस्थाओं का तटस्थ मूल्यांकन करना • लेखन की प्रेरणा • मुश्किल परिस्थितियों से हार न मानना • अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
3.	**एक कहानी यह भी' पाठ में कॉलेज के दिनों में लेखिका हड़ताल तथा आंदोलनों में भी भाग लेती रहती थीं। क्या लड़कियों को ऐसी गतिविधियों में भाग लेना उचित था? पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- उचितः • लड़कियाँ भी देश की समान नागरिक है • लड़के-लड़कियों का समान अधिकार अथवा अनुचितः • माता-पिता की प्रतिष्ठा पर आघात • हिंसक प्रदर्शनों में भाग लेना किसी के लिए भी अनुचित	मुख्य परीक्षा
4.	**'जीवन में सफल होने के लिए बाहरी रंग-रूप ही महत्त्वपूर्ण नहीं हैं।' 'एक कहानी यह भी' के आधार पर तर्कसंगत उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • साधारण रूप-रंग की होने पर भी असाधारण व्यक्तित्व की प्रसिद्ध लेखिका बनना • पिता द्वारा रूप-रंग के आधार पर किए गए भेदभाव से उबरकर स्वयं निर्णय लेना और कार्य करना	मुख्य परीक्षा

5.	**'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका मन्नू भंडारी के अपने क्षेत्र में सफलता की ऊँचाइयों को छूने के बावजूद हीन-भाव से न उबर पाने का क्या कारण था?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बचपन में पिता द्वारा किया गया भेदभावपूर्ण व्यवहार हीन-भावना का कारण था और बचपन की ग्रंथियाँ जल्द दूर नहीं होतीं। • अचेतन मन में दबी हीन भावना सदा के लिए रह जाती है।	मुख्य परीक्षा
6.	**'एक कहानी यह भी' पाठ पाठकों को क्या संदेश देता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • जीवन में सफल होने के लिए सुंदर रूप रंग की आवश्यकता नहीं • माता-पिता द्वारा बच्चों के प्रति समान व्यवहार रखना • युवा देश के प्रति प्रेम और कर्तव्य की भावना • उत्कृष्ट साहित्य का चयन करना और पढ़ना • गुणों को विकसित करना • लड़कियों और स्त्रियों के साथ बराबरी का व्यवहार • अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
7.	**'एक कहानी यह भी' से लिया गया 'निहायत असहाय मज़बूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका।' - यह कथन किसके लिए कहा गया है और क्यों?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • लेखिका की माँ के लिए कहा गया है। कारण- • माँ का अपना कोई व्यक्तित्व नहीं • पिता की हर आज्ञा तथा बच्चों की हर ज़िद को अपना फर्ज समझकर स्वीकार करना • असीमित सहिष्णुता एवं त्याग की प्रवृत्ति • अधिकारों के प्रति जागरूकता का अभाव	मुख्य परीक्षा
8.	**'एक कहानी यह भी' पाठ में 'धरती से कुछ ज़्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें' - यह कथन किसके लिए कहा गया है और क्यों?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • माँ द्वारा पिता की हर ज़्यादती को चुपचाप सहना • बच्चों की हर जायज़/नाजायज़ इच्छा/फरमाइश को फ़र्ज़ समझकर पूरा करना • असीमित सहिष्णुता • अत्यधिक त्याग • धरती की तरह सहनशील	मुख्य परीक्षा

पाठ 11 (गद्य खंड)

नौबतखाने में इबादत (यतींद्र मिश्र)

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**बिस्मिल्ला खाँ का जीवन वर्तमान और भावी पीढ़ी को क्या संदेश देता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • सहजता और विनम्रता • निरंतर अभ्यास • गंगा-यमुनी संस्कृति में आस्था • जन्मभूमि के प्रति प्रेम • सादगीपूर्ण जीवन • कला के प्रति पूर्ण समर्पण • अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
2.	**'नौबतखाने में इबादत' पाठ का लेखक "बिस्मिल्ला खाँ का मतलब - बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई। शहनाई का तात्पर्य बिस्मिल्ला खाँ का हाथ।" ऐसा क्यों मानता है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • शहनाई और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पर्याय • शहनाईवादक के रूप में अद्‌वितीय पहचान • शहनाई और बिस्मिल्ला खाँ, दोनों को एक-दूसरे के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिली प्रसिद्‌धि	मुख्य परीक्षा
3.	**बिस्मिल्ला खाँ ने सम पर आना कैसे और कब सीखा?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बचपन में सीखा; • संगीतमत वातावरण में पले-बढ़े होने के कारण • मामा के शहनाई वादन को सुनकर	मुख्य परीक्षा
4.	**'शहनाई' क्या है? भारतीय संगीत में इसका क्या महत्त्व है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- <u>क्या-</u> • एक सुषिर वाद्‌य • फूँककर बजाया जाने वाला वाद्‌य <u>महत्त्व</u> • अवधी पारंपरिक लोकगीतों और चैती में बार-बार उल्लेख मिलना • मंगल का परिवेश प्रतिष्ठित करने वाले वाद्‌य के रूप में मान्यता • संगीत रागकल्पद्रुम में उपयोग का उल्लेख	मुख्य परीक्षा

5.	**'नौबतखाने में इबादत' पाठ में काशी के प्राचीन और पारंपरिक संगीत का विवरण प्रस्तुत कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • गलियों-मोहल्लों में ठुमरी, टप्पे, दादरा आदि पारंपरिक संगीत का प्रचलन • संकटमोचन मंदिर में शास्त्रीय और उपशास्त्रीय संगीत आयोजन की प्राचीन और अद्भुत परंपरा • सांस्कृतिक कार्यक्रमों, उत्सवों, त्योहारों में सेहरा, बन्ना, नोहा आदि • कंठे महाराज, विद्याधरी, बड़े रामदास, मौजुद्दीन खाँ, बिस्मिल्ला खाँ जैसे संगीतज्ञों का निवास	मुख्य परीक्षा
6.	**किसी भी क्षेत्र और कला में सफल होने के लिए किन-किन गुणों की आवश्यकता होती है? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • विनम्रता / सरलता • सहजता • निरंतर अभ्यास (रियाज़) • कार्य के प्रति प्रेम व लगन • समर्पण • विशेषज्ञता	मुख्य परीक्षा
7.	**'नौबतखाने में इबादत' पाठ में काशी को संस्कृति की पाठशाला क्यों कहा गया है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • प्राचीन नगरी, शास्त्रों में आनंद-कानन के नाम से प्रतिष्ठित • गंगा-यमुनी संस्कृति • संगीत, साहित्य और अदब की समृद्ध परंपरा • पं. कंठे महाराज, विद्याधरी और बिस्मिल्ला ख़ाँ जैसे विशिष्ट व्यक्तियों का निवास	मुख्य परीक्षा
8.	**"तुम लोगों की तरह बनाव-सिंगार देखते रहते तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई। तब क्या खाक रियाज़ हो पाता?" 'नौबतखाने में इबादत' पाठ की इस पंक्ति में युवाओं के लिए क्या संदेश छिपा है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • सादगीपूर्ण जीवन / विनम्रता • परिश्रम व रियाज़ (अभ्यास) • सीखने की ललक • बाहरी रंग-रूप के बजाय आंतरिक गुणों का महत्व • अन्य उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा

9.	**बिस्मिल्ला खाँ के जीवन में रसूलनबाई और बतूलनबाई का क्या महत्त्व है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • ठुमरी, दादरा, टप्पे आदि सुनकर संगीत की प्रेरणा मिलना • बचपन से ही संगीत की समझ बनना • अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
10.	**'शहनाई' के बारे में आप क्या जानते हैं? उसका वर्णन 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • सुषिर वाद्य या फूँक कर बजाया जाने वाला वाद्य • अरबी भाषा में "शाहनेय" अर्थात सुषिर वाद्यों में सर्वश्रेष्ठ • मांगलिक कार्यों में बजाया जाने वाला • प्रभाती में बजाया जाने वाला • बिस्मिल्ला खाँ द्वारा दुनिया भर में प्रतिष्ठित कराया गया वाद्य • अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
11.	**किस मुस्लिम पर्व का नाम बिस्मिल्ला खाँ और शहनाई के साथ जुड़ा है? उस पर्व का परिचय दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- पर्व- • मुहर्रम परिचय- • शोक का महीना • दस दिनों का शोक • हज़रत इमाम हुसैन एवं उनके कुछ वंशजों की शहादत का शोक मनाया जाना • शहनाई बजाने या संगीत कार्यक्रमों का निषेध, केवल नौहा-वादन • पैदल जुलूस निकाला जाना	पूरक परीक्षा

पाठ 12 (गद्य खंड)

संस्कृति (भदंत आनंद कौसल्यायन)

वर्ष-2024 (2 अंक प्रश्न)		
1.	**'संस्कृति' पाठ से ली गई पंक्ति 'संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है...।' में 'कूड़े-करकट' से क्या अभिप्राय है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कोई वस्तु, परंपरा, ज्ञान और विचार जो बदलते समय के साथ अप्रासंगिक और अकल्याणकारी हो।	मुख्य परीक्षा (2024, 2025)
2.	**संस्कृति और सभ्यता अलग-अलग कैसे हैं? पठित पाठ 'संस्कृति' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर नवीन वस्तुओं का आविष्कार हुआ वह संस्कृति और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ वह सभ्यता • संस्कृति विचार; सभ्यता उसका परिणाम • संस्कृति अमूर्त; सभ्यता मूर्त	मुख्य परीक्षा (2024, 2025)
3.	**सुसंस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है? संस्कृति पाठ के आधार पर स्पष्ट लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • अपनी प्रवृत्ति, योग्यता और प्रेरणा के बल पर किसी भी नई वस्तु का आविष्कार करने वाला व्यक्ति • निःस्वार्थ त्याग की भावनायुक्त व्यक्ति • लोककल्याण की भावनायुक्त व्यक्ति	मुख्य परीक्षा
4.	**संस्कृति पाठ के आधार पर सभ्यता और संस्कृति के बीच के अंतर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • वह योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा जिसके बल पर किसी नई वस्तु या तत्व की खोज होती है, संस्कृति कहलाती है और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ वह सभ्यता। • उदाहरण : • आग का आविष्कार करने की शक्ति - संस्कृति • आग का आविष्कार और उपयोग - सभ्यता	मुख्य परीक्षा
5.	**क्या संस्कृति के समान असंस्कृति भी होती है? स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु-	मुख्य परीक्षा

	• मानव की वह योग्यता जो उससे आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, असंस्कृति कहलाती है तथा जो योग्यता 'लोककल्याण' के साधनों का आविष्कार कराती है संस्कृति है। • संस्कृति कल्याणकारी होती है, असंस्कृति अकल्याणकारी होती है। • संस्कृति में त्याग की भावना असंस्कृति में त्याग की भावना नहीं। • अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य।	
6.	**कौसल्यायन जी ने 'संस्कृति' किसे कहा है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • नए आविष्कार अथवा तथ्यों को खोजने की प्रवृत्ति, योग्यता या प्रेरणा • नए ज्ञान को खोजने की इच्छा या जिज्ञासु प्रवृत्ति • मानवता के लिए कल्याण या त्याग की प्रवृत्ति • अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
7.	**'संस्कृति' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराने वाले मानव की योग्यता को संस्कृति कहा जाना चाहिए या असंस्कृति?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • निर्देश - प्रश्न की माँग के अनुसार परीक्षार्थी द्वारा मात्र 'असंस्कृति' शब्द लिखने पर उसे पूरे अंक दिए जाएँ। • प्रश्न किसी कारण अथवा स्पष्टीकरण की माँग नहीं करता।	मुख्य परीक्षा
8.	**'सभ्यता-संस्कृति' और 'असभ्यता- असंस्कृति' के बीच का अंतर 'संस्कृति' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • संस्कृति : वह योग्यता, प्रवृत्ति या प्रेरणा जिसके बल पर किसी नई वस्तु या तत्त्व की खोज होती है। • सभ्यता : संस्कृति का परिणाम है, संस्कृति द्वारा किए गए आविष्कार । • असंस्कृति : जो योग्यता विनाश के साधनों का निर्माण कराती है, वह असंस्कृति है। कल्याण की भावना से रहित संस्कृति, असंस्कृति है। • असभ्यता : आत्मविनाश के साधन असभ्यता हैं। असंस्कृति का परिणाम असभ्यता है।	पूरक परीक्षा

पाठ 01 (पूरक पाठ्यपुस्तक)

माता का अँचल (शिवपूजन सहाय)

<table>
<tr><th colspan="3">वर्ष-2024 (4 अंक)</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>'माता का अँचल' पाठ में जिस ग्राम्य जीवन और संस्कृति का उल्लेख है, उसमें वर्तमान में क्या अंतर आया है? क्या उस अंतर को आप सकारात्मक मानते हैं?
सांकेतिक मूल्य बिंदु-
पाठ में वर्णित गाँव
• शांत, प्राकृतिक एवं आत्मीयता से परिपूर्ण वातावरण
• सरल एवं सादगीपूर्ण जीवनशैली
• प्रकृति से निकटता
• खेती-बाड़ी से जुड़ाव
• खेल-मनोरंजन के सरल और सुलभ साधन
वर्तमान गाँव
• आधुनिक तकनीकी साधनों से युक्त
• कृत्रिमता का बढ़ता प्रभाव
• प्रकृति से निरंतर बढ़ती दूरी
• रहन-सहन, खान-पान, खेल-कूद और मनोरंजन के साधनों पर शहरी चकाचौंध का बढ़ता प्रभाव
• अन्य उपयुक्त स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य</td><td>मुख्य परीक्षा</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>भोलनाथ और उसके दोस्तों के खेल आज के बच्चों के खेलों से किस रूप में भिन्न हैं? आपको दोनों में से कौन-से खेल अधिक पसंद हैं और क्यों?
सांकेतिक मूल्य बिंदु-
• पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के खेल व्यक्ति केंद्रित (जैसे भोलानाथ साथियों के साथ मिलकर खेलता था आज बच्चे मोबाइल, कम्प्यूटर की स्क्रीन पर)
• पाठ में वर्णित खेल सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीकी आधारित, कृत्रिम संसाधनों और प्लास्टिक आदि की
• परिवेश में उपलब्ध चीज़ों से ही खेलना; बाज़ार से महँगी सामग्री खरीदना
• अन्य स्वतंत्र उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य</td><td>मुख्य परीक्षा</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>'माता का अँचल' पाठ में वर्णित बच्चों के खेल अलग थे और वर्तमान काल में अलग हैं। दोनों में भिन्नता का विवेचन देते हुए अपने विचार भी लिखिए।
सांकेतिक मूल्य बिंदु-</td><td>मुख्य परीक्षा</td></tr>
</table>

	• पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के खेल व्यक्तिकेन्द्रित (जैसे भोलानाथ साथियों के साथ मिलकर खेलता था, आज बच्चे मोबाइल, कम्प्यूटर की अपनी स्क्रीन पर) • पाठ में वर्णित खेल-सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीक, कृत्रिम संसाधनों और प्लास्टिक आदि की • परिवेश में उपलब्ध चीज़ों से ही खेलना; बाज़ार से महँगी सामग्री खरीदना • अन्य स्वतंत्र उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य	
4.	**'माता का अँचल' पाठ जैसा वात्सल्य क्या वर्तमान की भागती-सी व्यस्त जिंदगी में भी देखने को मिलता है? इस प्रश्न के उत्तर में उपयुक्त तर्क भी दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • हाँ; माता-पिता का वात्सल्य कभी कम नहीं होता • नहीं; आजकल माता-पिता के पास समय का अभाव, व्यस्त जीवन	मुख्य परीक्षा
5.	**'माता का अँचल' पाठ में वह कौन-सा प्रसंग है जिसमें भोलनाथ माँ की गोद में छिप जाता है? उस समय माँ की स्थिति, प्रतिक्रिया और मनोभाव का उल्लेख कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • मित्रों के साथ चूहों के बिल में पानी उलीचते समय, साँप के निकल आने का प्रसंग • प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे– • माँ का घबरा जाना और ज़ोर से रो पड़ना • बच्चों को आँचल से बार-बार पोंछना और चूमना • हल्दी पीसकर घाव पर लगाना • चिंतित होकर बार-बार रोने का कारण पूछना	
6.	**'माता का अँचल' पाठ में हमजोलियों के दल में मिलकर तारकेश्वरनाथ द्वारा किए गए किसी एक तमाशा का उल्लेख कीजिए। इनसे उन्हें किन जीवन-मूल्यों की शिक्षा मिलती है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- तमाशा उल्लेख- • रंगमंच बनाकर नाटक करना • मिठाइयों की दुकान लगाना • बारात का जुलूस निकालना • खेती करना • घरौंदा बनाना आदि जीवन मूल्य: • सामाजिक सहयोग • प्रकृति से जुड़ाव	मुख्य परीक्षा

	• संस्कृति से परिचय • रचनात्मकता का आनंद • अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य।	
7.	**'माता का अँचल' पाठ में वर्णित बच्चों के खेल और खेल सामग्री तथा आज के खेल और खेल-सामग्री पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- पाठ में वर्णित खेल और खेल-सामग्री : • झूला झूलना, तरह-तरह के तमाशे जैसे - मिठाइयों की दुकान लगाना, खेती करना, घरोंदा बनाना, बारात का जुलूस निकालना आदि • प्रकृति से जुड़ी और परिवेश में सुलभता से उपलब्ध खेल-सामग्री जैसे - मिट्टी के बर्तन, फूल-पत्तियाँ आदि • खेलों में सामूहिकता का भाव, प्रकृति से जुड़ाव आज के खेल और खेल-सामग्री - • क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस जैसे आधुनिक खेल • ऑनलाइन तकनीक आधारित खेल • ख़र्चीली खेल सामग्रियाँ • सामूहिकता और प्रकृति से जुड़ाव में कमी • अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
8.	**आपके माता-पिता का आपके प्रति प्यार-दुलार किन रूपों में प्रकट होता है? 'माता का अँचल' पाठ के संदर्भ में अपने शब्दों में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • समझ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से पूर्ण स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, • चार उपयुक्त बिंदु अपेक्षित	मुख्य परीक्षा
9.	**'माता का अँचल' पाठ में तारकेश्वरनाथ की अपने पिता के साथ बचपन में घटित किसी घटना का उल्लेख करते हुए आप स्वयं के बाल्य जीवन के वृत्तांत की किसी घटना का उल्लेख कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • पिता द्वारा पूजा करते समय बगल में बैठकर शीशे में अपना मुँह देखना • पिता के कंधे पर बैठकर गंगा जी जाना • पिता के साथ कुश्ती लड़ना • साथियों के साथ किए जा रहे भोज के तमाशे में पिता का चुपके से आकर बैठ जाना; • प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी अपने जीवन अनुभव के आधार पर स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे।	मुख्य परीक्षा

10.	**'माता का आँचल' पाठ में अपने भोलानाथ के पिता की दिनचर्या पढ़ी। उनकी दिनचर्या आपके पिताजी की दिनचर्या से किस प्रकार मिलती है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • भोलानाथ के पिता की दिनचर्या और अपने व्यक्तिगत अनुभव से अपने पिता की दिनचर्या में समानता का वर्णन दो उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र रूप से लिखेंगे।	पूरक परीक्षा

पाठ 02 (पूरक पाठ्यपुस्तक)

साना-साना हाथ जोड़ि... (मधु कांकरिया)

वर्ष-2024 (4 अंक)		
1.	**'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में लेखिका को कब और क्यों लगा कि तमाम भौगोलिक विविधता और वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद भारत की आत्मा एक ही है?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- <u>कब-</u> • एक कुटिया के भीतर घूमता चक्र देखकर • उस चक्र को घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं, इस मान्यता के बारे में जानकर <u>क्यों-</u> • धार्मिक मान्यताओं, आस्थाओं, विश्वास में समानता (तीर्थयात्रा, गंगास्नान आदि मान्यताएँ) • पाप-पुण्य, स्वर्ग-नरक आदि की समान धारणाएँ	मुख्य परीक्षा
2.	**'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए कि 'खेदुम' क्या है? इसके बारे में गंगटोकवासियों का क्या विश्वास है? क्या उन्हें सही माना जा सकता है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- <u>क्या-</u> • 'खेदुम' सिक्किम (गैंगटोक) में लगभग एक किलोमीटर का क्षेत्र है <u>विश्वास-</u> • यहाँ देवी - देवताओं का निवास • यहाँ जो गंदगी फैलाएगा वह मर जाएगा	मुख्य परीक्षा
3.	**बॉर्डर एरिया में छावनी पर 'वी गिव अवर टुडेज़ फॉर योर टुमारोज़' को पढ़कर लेखिका का मन उदास क्यों हो गया? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कठिन और विषम परिस्थितियों में कर्तव्य-पालन • प्रतिकूल प्राकृतिक परिस्थितियाँ • (माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तापमान) • परिवार से दूरी (अन्य स्वतंत्र उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	मुख्य परीक्षा
4.	**'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में जितेन ने पहाड़ी स्कूलों बच्चों के बारे में क्या-क्या बताया? आपकी दिनचर्या इन बच्चों से कितनी भिन्न है? संक्षेप में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • कठोर जीवन - स्कूल के लिए दूर-दूर तक चलना	मुख्य परीक्षा

	• शाम के समय अपनी माँओं के साथ पशुओं को चराना • पानी भरना • जंगल से लकड़ियों के भारी गट्ठर ढोना	
5.	**'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में आई पंक्ति - 'इन पत्थरों को तोड़ती पहाड़िनों के हाथों में पड़े ठाठे, एक ही कहानी कह रहे थे' – के माध्यम से लेखिका क्या कहना चाहती है? उन श्रम-सुंदरियों के जीवन के बारे में अपने विचार भी लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- लेखिका क्या कहना चाहती है- • मजदूर स्त्रियों के कठिन जीवन की ओर संकेत • देश के सभी क्षेत्रों में श्रमिक वर्ग की दशा एक समान • दूसरों के जीवन को सुखमय बनाने वाले मज़दूरों का जीवन सुख-सुविधाओं से वंचित दूसरे हिस्से के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र एवं उपयुक्त उत्तर जैसे - • कठिनाई, अभावों और विवशता से भरा जीवन • मातृत्व एवं श्रम साधना • जीवन को संकट में डालकर ऊँचे पहाड़ों पर जोखिमपूर्ण कार्य • अभावग्रस्त जीवन पर जीवटता से परिपूर्ण • अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
6.	**प्रदूषण के कारण प्रकृति का रूठना किन रूपों में दिखाई पड़ रहा है, और प्रदूषण से बचने के लिए आपकी क्या भूमिका हो सकती है ? 'साना-साना हाथ जोड़ि ' पाठ के संदर्भ में उत्तर लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- प्रकृति का रूठना- • पहाड़ों पर प्रदूषण और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण बर्फ गिरने में कमी • नदियों में पानी कम होना • मौसम चक्र का बदलना, बाढ़ और भूकंप • अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य भूमिका- • पर्यटन स्थलों पर गंदगी न फैलाना • पेड़-पौधे लगाना और उन्हें काटने से बचाना • नदियों-नहरों में कूड़ा-कचरा न डालना • प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का प्रयोग न करना • अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा

7.	**'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए कि श्वेत और रंगीन पताकाओं के बारे में जितेन नार्गे ने क्या जानकारी दी?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • किसी बुद्धिस्ट (बौद्ध) की मृत्यु होने पर उसकी आत्मा की शांति के लिए 108 श्वेत-पताकाओं का लगाया जाना • श्वेत पताकाओं पर मंत्रों का लिखा जाना • लगाने के बाद उनको न उतारना • पताकाओं का स्वयं नष्ट हो जाना • किसी कार्य के शुभारंभ के लिए रंगीन पताकाओं का लगाया जाना • शांति और अहिंसा का प्रतीक	मुख्य परीक्षा
8.	**'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में आए - 'मैडम यह धर्म चक्र है। प्रेयर व्हील। इसको घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं।' जितेन के इस कथन पर लेखिका के दिल और दिमाग का कौन-सा चक्र घूम गया? लेखिका के विचारों पर टिप्पणी कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • चाहे मैदान हो या पहाड़, तमाम वैज्ञानिक प्रगतियों के बावजूद इस देश की आत्मा एक सी • लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास, पाप-पुण्य की अवधारणाएँ और कल्पनाएँ एक जैसी • प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र एवं उपयुक्त टिप्पणी लिखेंगे।	मुख्य परीक्षा
9.	**तिस्ता नदी और 'सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल' के प्राकृतिक सौंदर्य को लेखिका ने किस प्रकार चित्रित किया है ? 'साना-साना हाथ जोड़ि' - पाठ के संदर्भ में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- तिस्ता नदी- • चिकने गुलाबी पत्थरों के बीच इठला कर बहना चाँदी की तरह चमकना • सुसज्ज • कलकल बहती शांत धारा सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल- • खूब ऊँचाई के साथ पूरे वेग के साथ गिरना • फेन उगलना • संगीतमय • जीवन की अनंतता का प्रतीक	मुख्य परीक्षा
10.	**'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए कि रंगीन और सफ़ेद बौद्ध पताकाएँ किसका प्रतीक हैं और इनके बारे में क्या मान्यता प्रचलित है?**	पूरक परीक्षा

	सांकेतिक मूल्य बिंदु- प्रतीक- • श्वेत बौद्ध पताकाएँ - शांति और अहिंसा की प्रतीक • रंगीन बौद्ध पताकाएँ - शुभ और नए कार्य की प्रतीक प्रचलित मान्यताएँ- • किसी बौद्धिस्ट की मृत्यु होने पर उसकी आत्मा की शांति के लिए शहर से दूर किसी भी पवित्र स्थान पर एक सौ आठ सफ़ेद पताकाएँ फहराई जाती हैं, जिन पर मंत्र लिखे होते हैं। इन्हें उतारा नहीं जाता। • किसी नए कार्य की शुरुआत में रंगीन पताकाएँ लगाई जाती हैं।	

पाठ 03 (पूरक पाठ्यपुस्तक)

मैं क्यों लिखता हूँ? (सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय')

वर्ष-2024 (4 अंक)		
1.	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए कि क्या एक रचनाकार और उसकी रचनाएँ बाहरी दबाव से भी प्रभावित हो सकती हैं? आपकी दृष्टि में वे कौन-से बाहरी दबाव हैं जो रचनाकार की रचना को प्रभावित करते हैं?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • हाँ, रचनाकार और उसकी रचनाएँ बाहरी दबाव से भी प्रभावित हो सकती हैं; बाहरी दबाव- • सम्पादकों का आग्रह • प्रकाशकों की माँग • रचनाकारों की आर्थिक विवशता	मुख्य परीक्षा
2.	**एक कृतिकार के लेखन और रचना के पीछे क्या-क्या कारण हो सकते हैं? 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- बाहरी दबाव : • संपादकों का आग्रह • प्रकाशकों की माँग • रचनाकारों की अपनी आर्थिक विवशता आंतरिक दबाव : • आंतरिक अनुभूति की सघनता • लेखक द्वारा लेखन के कारणों को जानने की इच्छा • आंतरिक विवशता से मुक्ति पाना • आंतरिक विवशता को तटस्थ होकर उसे देखना और पहचानना	मुख्य परीक्षा
3.	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर अनुभव और अनुभूति का अंतर स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक ने अपनी जापान यात्रा के दौरान हिरोशिमा में सब कुछ देखकर भी तत्काल क्यों नहीं लिखा? अणु-विस्फोट की अनुभूति लेखक को कब हुई?** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • स्वयं के जीवन में घटित सत्य अनुभव; अपने या दूसरों के जीवन में घटित सत्य को संवेदना और कल्पना के सहारे आत्मसात करना अनुभूति • प्रत्यक्ष अनुभूति न हो पाने के कारण • सड़क पर टहलते समय जले हुए पत्थर पर लंबी उजली छाया	मुख्य परीक्षा
4.	**अज्ञेय जी ने किसी रचना के लेखन के कौन-कौन से कारण गिनवाए हैं? अपने लेखन के बारे में उन्होंने क्या कहा? – स्पष्ट कीजिए।**	मुख्य परीक्षा

	सांकेतिक मूल्य बिंदु- कारण- • आंतरिक विवशता से मुक्ति पाना • बाहरी दबाव जैसे प्रकाशकों के तकाज़े, संपादकों के आग्रह • आर्थिक विवशता क्या कहा- • आंतरिक विवशता से मुक्ति • अपने लेखन के कारण को तटस्थ होकर पहचाना	
5.	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के संदर्भ में यदि आप चाहते हैं कि विज्ञान का केवल सदुपयोग ही हो, उसके लिए अपने सुझाव दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- विज्ञान के सदुपयोग सुनिश्चित के बारे में स्वतंत्र एवं उपयुक्त उत्तर लिखें, जैसे - • जागरूकता फैलाना • दुरुपयोग रोकने के लिए नियम बनाना और लागू करना, जैसे - परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध • अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे - संयुक्त राष्ट्र आदि को मज़बूत करना • वैज्ञानिक समुदाय को मानव-कल्याण के लिए आविष्कारों के प्रति प्रेरित करना • अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
6.	**अज्ञेय जी ने हिरोशिमा की घटना के बारे में सुना - पढ़ा था, लेकिन विस्फोट को उन्होंने कब और कैसे आत्मसात किया और उसका क्या परिणाम हुआ? 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- कब और कैसे- • लेखक की जापान / हिरोशिमा यात्रा के दौरान • जले हुए पत्थर पर लंबी उजली छाया को देखकर आहत होना परिणाम- • अनुभव का संवेदना के स्तर पर अनुभूति को बदलना • मन की पीड़ा का 'हिरोशिमा' कविता के रूप में सृजन	मुख्य परीक्षा
7.	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर भीतरी विवशता का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। अज्ञेय जी ने 'भीतरी विवशता' को जिस उदाहरण से स्पष्ट किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • आंतरिक अनुभूति, जो लेखन के लिए विवश कर दे	मुख्य परीक्षा

	• कल्पना और संवेदना के सहारे उस सत्य का साक्षात्कार, जो स्वयं के साथ घटित नहीं, • उदाहरण- हिरोशिमा में पत्थर पर अंकित मानवाकृति	
8.	**'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक को जापान जाने पर हिरोशिमा की घटना का प्रत्यक्ष अनुभव कैसे हुआ । इस अनुभव का लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा? अपने शब्दों में लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- हिरोशिमा की किसी एक घटना का उल्लेख करेंगे, जैसे- • वह अस्पताल देखकर, जहाँ रेडियम-पदार्थ से आहत लोग वर्षों से कष्ट पा रहे थे • एक पत्थर पर मानवाकृति की छाया देखकर अनुभव का अनुभूति में रूपांतरण प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए कोई दो बिंदु लिखेंगे, जैसे- • लेखक का हिरोशिमा विस्फोट का भोक्ता बन जाना • लेखक का व्याकुल होना • लेखक का इस अनुभूति को लिखने के लिए विवश होना अनुभूति - प्रत्यक्ष होना	मुख्य परीक्षा
9.	**"विज्ञान एक तरफ विकास है, तो दूसरी ओर विनाश।" विज्ञान को विकास की ओर कैसे उन्मुख किया जा सकता है? 'मैं क्यों लिखता हूँ?'- पाठ के संदर्भ में इस विषय पर अपने सुझाव लिखिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • जागरूकता फैलाना • दुरुपयोग रोकने के लिए नियम बनाना और उन्हें लागू करना, जैसे • हथियारों पर प्रतिबंध • अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना • वैज्ञानिक समुदाय को मानव-कल्याण के लिए आविष्कारों के प्रति प्रेरित करना • अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य	मुख्य परीक्षा
10.	**लेखक ने 'लिखने' को लेकर कौन-कौन से कारण प्रस्तुत किए? 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।** सांकेतिक मूल्य बिंदु- • बाहरी विवशता : संपादकों का आग्रह, प्रकाशक की माँग, लेखक की अपनी आर्थिक आवश्यकता • आंतरिक विवशता : अपनी आंतरिक विवशता को पहचानना और उससे मुक्ति पाना, लेखन के कारणों को स्वयं भी जानने की इच्छा	पूरक परीक्षा